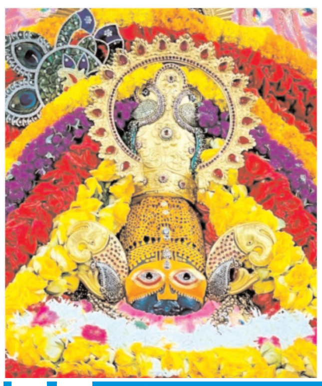

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:233। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 17 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

पश्चिम बंगाल में हिंगलगंज के बीएसएफ कैंप में लगी आग

● एक जवान की हुई मौत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के बसिरहाट महकमे के हिंगलगंज थाना क्षेत्र के बड़ा बांकड़ा इलाका स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कैंप में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। यह कैंप बीएसएफ की 77वीं बटालियन का है, जहां आग लगने से पूरे परिसर में अफरा तफरी मच गई। आग कैंप के उस कमरे में लगी जहां नदी मार्ग से गश्त के लिए इस्तेमाल होने वाली नावों का ईंधन रखा गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग लगने के समय जवान राम सिंह कमरे के अंदर मौजूद थे। वहां से बाहर नहीं निकल पाने से उनकी मौत हो गई। आग लगते ही कुछ ही मिनटों में काले धुएं ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग बाल्टी से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश में जुट गए, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी।

गाजियाबाद में 500 झुग्गियों में लगी भीषण आग

● एक-एक कर फटे सिलिंडर, सभी लापता बच्चे मिले

एजेंसी

कोलकाता। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जल उठीं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग में करीब छह बच्चों के लापता होने की आशंका थी। लेकिन सभी बच्चे मिल गए हैं। कुछ बच्चे भीड़ के बीच होने की वजह से परिजनों को नहीं मिले और कुछ घटनास्थल से दूर खेल रहे थे। बच्चों के मिलने के बाद परिवार वालों की जान में जान आई। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियां लगाई गई हैं।

बरहमपुर में रोड शो के दौरान बीमार पड़े मिथुन चक्रवर्ती

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए सभी दल पूरी ताकत प्रचार-प्रसार में लगे हुए है। इसी क्रम में जिले के बरहमपुर में गुरुवार को रोड शो के दौरान बालिवुड अभिनेता और वरिष्ठ भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती बीमार पड़ गए। वे बरहमपुर से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत मित्रा के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। बरहमपुर में भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि हमारे पक्ष में जनसैलाब है। हमारे उम्मीदवार की जीत होगी। सूत्रों के अनुसार, दिन का रोड शो बरहमपुर के गांधी कॉलोनी से शुरू हुआ जो पुराने कांदी बस स्टैंड से खगरा चौराहे तक जाना था। इसी दौरान अभिनेता की तबीयत अचानक खराब हो गई और उन्होंने नतुन बाजार जॉय कालीबाड़ी के पास रोड शो खत्म कर दिया। भाजपा सूत्रों के अनुसार, अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती नतुन बाजार पहुंचने के बाद ही बीमार पड़ गए। अनुमान है कि प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण वह बीमार पड़े।

हालांकि, अभिनेता मिथुन के बिना ही भाजपा उम्मीदवार सुब्रत मित्रा, जिलाध्यक्ष मलय महाजन और अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने खगड़ा चौराहे तक जाकर रोड शो खत्म कर दिया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष मलय महाजन ने कहा कि लोगों के इस जन आंदोलन में लोग इस बार जमीनी स्तर पर साबित हो चुकी भाजपा को उखाड़ फेंकना चाहते हैं।

डिजिटल षड्यंत्र

सच की पड़ताल

संविधान में संशोधनों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील-

इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा

मोदी ने 'महिला आरक्षण विधेयक' अधिनियम पर चर्चा की।

एजेंसी

कोलकाता। संसद के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'महिला आरक्षण विधेयक' यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि हम इस पल के साक्षी बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि इस मंथन से अमृत निकलेगा और यह मंथन देश की दिशा और दशा तय करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। यह 20-25 वर्ष पहले हो जाना चाहिए था, समय-समय पर इसमें सुधार होते रहते। सदन के सभी साथियों को यह अवसर मिला है।

हम मदर ऑफ डेमोक्रेसी रहे हैं - पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ बड़े पल आते हैं, उस समय समाज की मनोस्थिति एक मजबूत धरोहर तैयार कर देती है। मैं समझता हूं कि संसद के इतिहास में ये वैसे ही पल हैं। जरूरत महसूस हुई होती तब इसे लागू कर देते और आज तक इसे परिपक्वता तक पहुंचा देते। हम मदर ऑफ डेमोक्रेसी रहे हैं। हमारी हजार वर्ष की विकास यात्रा रही है।

जो विरोध करेंगे उन्हें कीमत चुकानी पड़ेगी - पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक जीवन में जो लोग सफलतापूर्वक आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें यह मानकर चलना पड़ेगा कि पिछले 25 से 30 साल में ग्रासरूट लेवल पर महिलाएं लीडर बन चुकी हैं। अब उनके अंदर सिर्फ यहां 33 फीसदी का सामर्थ्य नहीं है, बल्कि वे आपके फैसलों को भी प्रभावित करने वाली हैं। इसलिए जो आज विरोध करेंगे, उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक समझदारी इसी में है कि हम ग्रासरूट लेवल पर महिलाओं की जो राजनीतिक लीडरशिप खड़ी हुई है, उसे संदर्भ में लें।

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक से सुनिश्चित होगी समानताः मेघवाल

● किसी भी राज्य को नुकसान नहीं : अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन से जुड़े अहम विधेयकों पर गुरुवार को चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 देश में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा और इससे किसी भी राज्य को नुकसान नहीं पहुंचेगा। सदन को संबोधित करते हुए अर्जुनराम मेघवाल ने महिलाओं के सशक्तीकरण की अहमियत को रेखांकित किया और बीआर अंबेडकर के विचारों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं किसी समाज की प्रगति का आकलन इस बात से करता हूं कि वहां महिलाओं ने कितनी तरक्की की है।' उन्होंने कहा कि इसी सोच के साथ विधायी संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण देना जरूरी है। मेघवाल ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों का भी जिक्र किया और बताया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात लंबे समय से कही जा रही थी। उन्होंने कहा, 'अब्दुल कलाम ने भी कहा था कि 33 फीसदी सीटों का आवंटन तय है, बस समय की बात है और अब वह समय आ गया है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। विधेयक के प्रावधानों की जानकारी देते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन की कुल क्षमता 50 प्रतिशत बढ़ाकर 815 सीटें कर दी जाएंगी, जिनमें से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह संख्या कुल सीटों का एक-तिहाई हिस्सा होगी।

● **उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत इन प्रावधानों को 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन के आधार पर लागू किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि इससे पुरुष सांसदों या किसी भी राज्य की मौजूदा सीटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उनकी स्थिति बनी रहेगी।**

● **इससे पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी कि इन तीनों महत्वपूर्ण विधेयकों पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा की जाएगी और शुक्रवार को इन पर मतदान कराया जाएगा।**

धर्म के आधार पर आरक्षण की बात असंवैधानिकः शाह

विपक्ष विधेयकों पर चर्चा होने दे और सरकार हर आपत्ति का जवाब देगीः गृहमंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को सरकार की ओर से परिसीमन और उसके बाद महिला आरक्षण लागू कराने से जुड़े तीनों विधेयकों को पेश किया गया। विपक्ष विधेयकों को लाए जाने का ही विरोध करता रहा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि विपक्ष इनपर चर्चा होने दे और सरकार हर आपत्ति का जवाब देगी। साथ ही मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण का मुद्दा आने पर शाह ने कहा कि धर्म के नाम पर आरक्षण किसी भी तरह से मंजूर नहीं है। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष ने सरकार की ओर से परिसीमन और उसके बाद महिला आरक्षण लागू कराने से जुड़े तीनों विधेयकों को विचार हेतु प्रस्तुत किए जाने का कड़ा विरोध कर दिया और इसपर बकायदा मतविभाजन हुआ। लोकसभा अध्यक्ष सहित केन्द्रीय गृहमंत्री और संसदीय कार्यमंत्री ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज किया। सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने बार-बार कहा कि विधेयकों को पेश किए जाने का सदस्य, संविधान और सदन की विधायी क्षमता के आधार पर विरोध कर सकते हैं। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक सहित विपक्षी पार्टियों ने विधेयकों पर अपनी आपत्ति जाहिर की। उनका कहना था कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में असल में परिसीमन विधेयक लाई है। असम व जम्मू-कश्मीर की तरह इनके माध्यम से सरकार संविधानिक संरक्षण को समाप्त कर मनमाने ढंग से परिसीमन करना चाहती है। विधेयक को विचार हेतु लाने का विरोध करने पर गृहमंत्री अमित शाह को बार-बार उठना पड़ा।

संसद में तीन विधेयक पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र पर लोकसभा में सरकार ने तीन अहम विधेयक पेश कर दिए। विशेष सत्र के शुरू होते ही कानूनमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 और परिसीमन विधेयक 2026 को सदन में पेश करने का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026 को पेश करने का प्रस्ताव दिया। यह विधेयक देश की चुनाव और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े अहम बदलावों से संबंधित हैं।

विशेष कवरेजः आस्था के सौदागरों का पर्दाफाश

धर्म के नाम पर 'डिजिटल डकैती' प्रतिष्ठा महोत्सव को रोकने के लिए 'हनीट्रैप' और 'ब्लैकमेलिंग' का अंतरराष्ट्रीय जाल

मुनि भगवंतों को बदनाम करने के लिए 'फेक वीडियो' का सहारा हार्दिक हुडिया और जगत पारेख गिरोह का सनसनीखेज सच

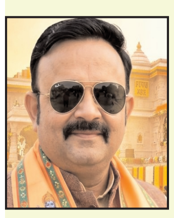

पवन माकन

ग्रुप एडिटर पवन माकन को धमकी, महानगर मेट्रो का पलटवार— 'सच्चाई की कलम नहीं रुकेगी '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड सिटी के वेसु इलाके में आगामी 23 अप्रैल 2026 को होने वाला श्री अभय पार्श्वनाथ भगवान जिनालय का अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव इस समय न केवल भक्तों की श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि उन अपराधियों की नजर में भी है जो धर्म की आड़ में उगाही का धंधा चला रहे हैं। 'महानगर मेट्रो' ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो जैन समाज की आस्था को 'डिजिटल ब्लैकमेलिंग' के जरिए बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है।

साजिश का ब्लूप्रिंटः कैसे बुना गया जाल

सूत्रों के अनुसार, मुनि भगवंतों की छवि खराब करने के लिए करीब डेढ़ साल पुराने 'मॉर्फ्ड' और 'फेक' वीडियो को हथियार बनाया गया है। जांच में पहले ही झूठे साबित हो चुके इन वीडियो को महोत्सव के ठीक पहले वायरल करने की धमकी दी जा रही है। इस गिरोह का मकसद साफ है– करोड़ों की फिरौती (Protection Money) वसूलना।

चुनाव और सामाजिक आक्रोश

गुजरात में चुनावी माहौल के बीच जैन समाज में इस घटना को लेकर भारी गुस्सा है। समाज के प्रमुख व्यक्तियों का कहना है कि यदि इन ब्लैकमेलरों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, तो इसका असर आगामी चुनावों के समीकरणों पर भी पड़ेगा। समाज अब इन तत्वों के 'सामाजिक बहिष्कार' की तैयारी कर रहा है।

महानगर मेट्रो की मांग

प्रशासन सेः हार्दिक हुडिया और जगत पारेख की तत्काल जांच कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

जैन समाज सेः फेक वीडियो और अफवाहों पर ध्यान न दें, महोत्सव को और अधिक भव्य बनाकर इन ताकतों को जवाब दें। संस्थाओं सेः किसी भी दबाव में आए बिना धर्म कार्य में अपना सहयोग जारी रखें। 'धर्म की मर्यादा से खिलवाड़ करने वाले ये चेहरे समाज पर कलंक हैं। इनका स्थान समाज में नहीं, सलाखों के पीछे है। '

विशेष संवाददाता, महानगर मेट्रो न्यूज़

बेनकाब चेहरेः कौन हैं ये 'आस्तीन के सांप'

इस षड्यंत्र के पीछे दो नाम प्रमुखता से उभर कर आए हैं:

1.हार्दिक हुडिया (मुंबई): खुद को पत्रकार बताने वाला यह शख्स समाज के भीतर रहकर धर्मगुरुओं के खिलाफ प्रोपेगेंडा चला रहा है।

2.जगत पारेख (अहमदाबाद): आपराधिक पृष्ठभूमि वाला यह व्यक्ति पहले भी कई थानों में दर्ज मामलों में लिप्त रहा है।

इन लोगों ने न केवल सूरत नगर निगम (SMC) में झूठी अर्जियां डालकर निर्माण कार्य रुकवाने की कोशिश की, बल्कि सूरत डायमंड एसोसिएशन जैसी संस्थाओं को भी डराने का प्रयास किया है।

ग्रुप एडिटर की कलम सेः 'धमकी से नहीं, सच्चाई से चलता है महानगर मेट्रो ' इस खुलासे के बाद हताश होकर हार्दिक हुडिया ने 'महानगर मेट्रो' के ग्रुप एडिटर पवन माकन को फोन और मैसेज के जरिए खबर रोकने की धमकी दी। लेकिन हुडिया शायद यह भूल गए कि पत्रकारिता जब समाज की रक्षा का संकल्प लेती है, तो वह किसी माफिया से नहीं डरती। महानगर मेट्रो इस गिरोह के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और जैन समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

प्रियाकां गांधी का केंद्र पर तीखा प्रहारः 'महिला आरक्षण बिल में राजनीति की दुर्गंध, आधी आबादी को हक देने में देरी क्यों? '

महानगर मेट्रो डेस्क

नई दिल्ली । संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में आज कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर केंद्र सरकार पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। सदन में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए दो टूक कहा कि इस बिल में 'राजनीति की दुर्गंध' बसी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं को हक देने के नाम पर केवल चुनावी फायदा देख रही है।

'तुरंत लागू हो आरक्षण, जनगणना का इंतजार क्यों '

प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन में सरकार को घेरते हुए कहा कि यदि भाजपा सरकार सच में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है, तो इसे तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने कहाः 'महिलाओं को आरक्षण देने के लिए जनगणना और परिसीमन (Delimitation) की शर्त लगाना सिर्फ एक बहाना है। यह महिलाओं के साथ धोखा है। सरकार चाहती तो इसे इसी चुनाव से लागू कर सकती थी, लेकिन उन्होंने इसे भविष्य के गर्त में धकेल दिया है।

प्रमुख मुद्दे जो प्रियंका गांधी ने उठाए:

हक की लड़ाई, दिखावा नहींः प्रियंका ने कहा कि आरक्षण महिलाओं का अधिकार है, कोई 'दान' नहीं। ओबीसी कोटा की मांगः उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण के भीतर पिछड़ा वर्ग (OBC) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित किया जाए, ताकि अंतिम पायदान पर खड़ी महिला को भी प्रतिनिधित्व मिल सके। देरी पर सवालः बिल पास होने के बावजूद इसके लागू होने में लगने वाले सालों के वक्त को उन्होंने सरकार की विफलता बताया।

सत्ता पक्ष और विपक्ष में तकरार

प्रियंका गांधी के इस 'दुर्गंध' वाले बयान के बाद सदन में काफी हंगामा भी देखने को मिला। जहां सत्ता पक्ष के मंत्रियों ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया, वहीं प्रियंका ने स्पष्ट किया कि बिना तत्काल क्रियान्वयन के यह बिल केवल एक कागजी शेर बनकर रह जाएगा।

महानगर मेट्रो व्यू:

लोकसभा चुनाव के करीब आते ही महिला वोट बैंक को साधने की यह जंग अब और तेज हो गई है। प्रियंका गांधी का यह आक्रामक रुख साफ संकेत दे रहा है कि कांग्रेस इस मुद्दे को सदन से लेकर सड़क तक ले जाने के मूड में है। अब देखना यह होगा कि सरकार इस 'दुर्गंध' वाले आरोप का जवाब किस 'सुगंधित' वादे से देती है।

सांतेज पुलिस का बड़ा एक्शनः पत्रकार बनकर 'उगाही' करने वाली गैंग का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

शराब का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वसूले 1.05 लाख, संजय पांडे और मिताशु दरजी समेत 4 पत्रकार फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर । पत्रकारिता के पवित्र पेशे को कलंकित करने वाले एक गिरोह का सांतेज पुलिस ने पर्दाफाश किया है। खुद को न्यूज़ चैनल का पत्रकार बताकर लोगों को डराने और अवैध वसूली करने वाली इस गैंग के एक सदस्य को पुलिस ने चंद घंटों में दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति से सवा लाख रुपये की फिरौती वसूली थी।

धमकी का खौफनाक खेल मामले की जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने शिकायतकर्ता के घर जाकर उसे धमकाया कि 'तुम अवैध शराब का धंधा करते हो।' आरोपियों ने जबरन उसका वीडियो बनाया और धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो

इस वीडियो को न्यूज़ चैनल और सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम कर दिया जाएगा। बदनामी और पुलिस के डर से शिकायतकर्ता ने किस्तों में कुल 1,05,000 रुपयेसे आरोपियों को दे दिए। लेकिन जब आरोपियों की लालच बढ़ती गई, तो पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर सांतेज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

शातिर अपराधी निकला 'कथित' पत्रकार

गांधीनगर रेंज आईजी वीरेंद्र यादव और एसपी रवि तेजा वासमशेट्टी के मार्गदर्शन में सांतेज पुलिस सब-इंस्पेक्टर ए.सी. सरवैया ने जाल बिछाकर निकोल (अहमदाबाद) निवासी अंकित महेशकुमार व्यास को गिरफ्तार कर लिया। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि पकड़ा गया आरोपी अंकित व्यास कोई पत्रकार नहीं बल्कि एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही अहमदाबाद के आनंदनगर, सैटेलाइट और कृष्णनगर पुलिस स्टेशनों में चोरी (धारा 379) के कई मामले दर्ज हैं।

इनकी तलाश में दबिश जारी

पुलिस ने इस मामले में कुल 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गिरफ्तार अंकित के अलावा मुख्य आरोपी संजय पांडे, मिताशु दरजी और अन्य दो अज्ञात कथित पत्रकार फिलहाल फरार हैं। पुलिस की अलग-अलग टीमें इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

पुलिस की अपील: डरें नहीं, सूचना दें

'यदि कोई भी व्यक्ति पत्रकार या अधिकारी बनकर आपको डराता है या पैसों की मांग करता है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। फर्जी पहचान बताकर कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। '
– सांतेज पुलिस

11000 बहनों के भाई मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में सभी बहनों बहनों को मामेरा करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा सामाजिक कार्यकर्ता एवं 11000 बहनों के रक्षा सूत्र में बधे भाई ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत मोदी खेल परिसर में नगर पालिका के तत्वाधान में सभी जोड़ों का जो सामूहिक विवाह है उन सभी को चेतन यादव अपनी तरफ से बहन व भांजीयो को mamera करेंगे उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में बहुत सारी बहनें ऐसी है जिसे मैं रक्षा सूत्र बनवाए हैं ऐसी स्थिति में मुझे ममेरा करना है तो मैं सभी बहनों का ममेरा करूंगा उन्होंने बताया कि बड़ी धूमधाम से बैंड बाजा के साथ बहनों और भांजियों को ममेरा उड़ाऊगा उन्होंने कहा कि इस बात की प्रेरणा मुझे मेरे बड़े भाई आदरणीय समानी आलोक पूर्व विधायक जितेन जी गहलोत ने कही के आप अलग-अलग नहीं जाकर एक जगह करेंगे तो इसका मैसेज भी अच्छा जाएगा इसके लिए मै अपने इष्ट मित्रों और बहनों के साथ जाकर वहां पर बहनों और भांजियों को मामेरा पहनाकर जो दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान करूंगा। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट 9179662633

वक्त की कीमत और रिश्तों की मर्यादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पवन माकन (ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो) दुनिया में सबसे कीमती चीज़ क्या है सोना, चांदी, दौलत या शोहरत शायद नहीं। आज के दौर में सबसे महंगी चीज़ है 'समय'। हम अक्सर भौतिक वस्तुओं के पीछे भागते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि जो लम्हा एक बार बीत गया, वह दोबारा लौटकर नहीं आता। आज का यह लेख उन लोगों के नाम है जो खामोशी से आपके लिए अपना वक्त कुर्बान करते हैं।

जिंदगी का वह हिस्सा जो दोबारा नहीं मिलता

कहा जाता है कि अगर कोई आपके पीछे अपना समय खर्च कर रहा है, तो उस व्यक्ति को अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा सम्मान दीजिए। ऐसा इसलिए नहीं कि वह खाली है, बल्कि इसलिए क्योंकि वह आपको अपनी जिंदगी की वह चीज़ दे रहा है जिसे वह कभी वापस नहीं पा सकता।

पैसा आता-जाता रहता है, शोहरत घटती-बढ़ती रहती है, लेकिन बीता हुआ समय ब्रह्मांड की सबसे बड़ी शक्ति भी वापस नहीं ला सकती। जब कोई आपको अपना वक्त देता है, तो असल में वह अपनी 'उम्र' का एक हिस्सा आपको भेंट कर रहा होता है।

सम्मान देना हमारा कर्तव्य

प्राथमिकता का खेलः व्यस्त हर कोई है, लेकिन जो व्यस्तता के बावजूद आपके लिए समय निकालता है, उसकी नजर में आपकी अहमियत उसकी अपनी थकान से बड़ी है। भावनाओं का निवेशः समय देना केवल उपस्थिति दर्ज कराना नहीं है, बल्कि यह एक भावनात्मक निवेश है। यह विश्वास दिलाता है कि आप अकेले नहीं हैं। अहंकार का त्यागः आज के स्वार्थी युग में बिना किसी मतलब के किसी को अपना वक्त देना सबसे बड़ी उदारता है। मेट्रो डायरी की कलम से... हम अक्सर उन लोगों को नजरअंदाज कर देते हैं जो हमारे लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। हमें लगता है कि यह उनका फर्ज है, लेकिन याद रखिए, यह उनका फर्ज नहीं, बल्कि आपके प्रति उनका अथाह प्रेम और सम्मान है। अगर आप ऐसे लोगों की कद्र नहीं करते, तो आप अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी खो रहे हैं। मेरी बातः रिश्तों को 'उपहार' की नहीं, 'उपलब्धता' की जरूरत होती है। किसी कीमती घड़ी देने से बेहतर है कि किसी को थोड़ा वक्त दिया जाए, क्योंकि घड़ी समय बताती है और वक्त रिश्ते की गहराई। सोच बदलिए, समाज बदलेगा!

बंगाल का रणः ममता के गढ़ में BJP-RSS का 'साइलेंट ऑपरेशन', क्या ढहेगा दीदी का किला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति अपनी रवायत के मुताबिक एक बार फिर रक्तरंजित और रोमांचक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। लेकिन इस बार की बिसात कुछ अलग है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने एक ऐसा 'चक्रव्यूह' तैयार किया है, जिसने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (TMC) के खेमे में हलचल तेज कर दी है। बूट लेवल से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, संघ और भाजपा की जुगलबंदी ने एक बड़े 'साइलेंट ऑपरेशन' का आगाज कर दिया है।

माइक्रो मैनेजमेंट: 12 सूत्रीय मास्टरप्लान

इस बार भाजपा केवल नारों के भरोसे नहीं, बल्कि 'ग्राउंड जीरो' पर काम कर रही है। पार्टी का पूरा ध्यान 12 मुख्य रणनीतियों पर केंद्रित है, जिसका सीधा उद्देश्य हिंदू मतों का ध्रुवीकरण और मतदाताओं के मन से डर को खत्म करना हैः बूथ स्तर पर अभेद्य किलेबंदीः हर मतदान केंद्र (Booth) पर ऐसी समर्पित टीमें तैयार की गई हैं, जो न केवल मतदाताओं को घर से बाहर निकालने का काम करेंगी, बल्कि उन्हें सुरक्षा का भरोसा भी दिलाएंगी। हिंदू वोट बैंक पर फोकसः बंगाल में अक्सर कम हिंदू मतदान और चुनावी हिंसा का डर एक बड़ी चुनौती रहा है। RSS के स्वयंसेवक अब घर-घर जाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सीमावर्ती इलाकों में घेराबंदीः घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव (Demographic change) को मुद्दा बनाकर भाजपा सीमावर्ती जिलों में आक्रामक रुख अपना रही है।

सुषमा स्वराज मॉडल और संघ की निगरानी

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने बंगाल की सभी 294 सीटों पर अनुभवी दिग्गजों की फौज तैनात की है। पार्टी इस बार 'सुषमा स्वराज मॉडल' की कार्यशैली को अपनाते हुए हर सीट के लिए अलग रणनीति (Customized Strategy) बना रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टिकट वितरण से लेकर चुनाव प्रचार के प्रबंधन तक, RSS सीधे तौर पर मॉनिटरिंग कर रहा है। संघ की यह 'सक्षम उपस्थिति' इस बार गेमचेंजर साबित हो सकती है।

निष्कर्ष: अस्तित्व की लड़ाई

पश्चिम बंगाल में अब तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एकछत्र राज रहा है, लेकिन भाजपा का यह 'माइक्रो मैनेजमेंट' दीदी के किले में सेंध लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मुकाबला अब सिर्फ सत्ता हासिल करने का नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का बन चुका है। क्या भाजपा की 'संगठन शक्ति' ममता बनर्जी के इस अभेद्य दुर्ग को भेद पाएगी? यह तो चुनावी नतीजे ही तय करेंगे ।

लोकतंत्र में निर्विरोध जीतः जनता के मताधिकार का सम्मान या मौन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

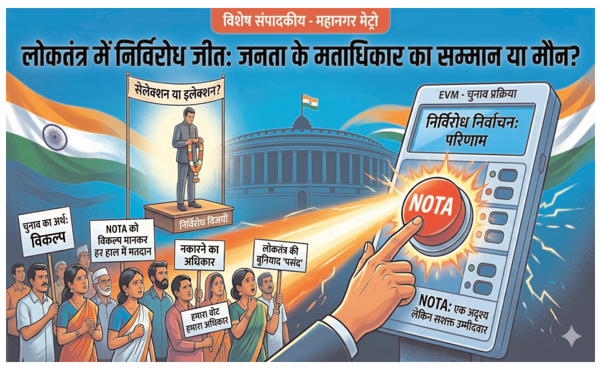

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक उत्सव है–जनता के अपने प्रतिनिधि को चुनने का अधिकार। लेकिन हाल के दिनों में 'निर्विरोध निर्वाचन' (Uncontested Election) के बढ़ते चलन ने एक नई बहस को जन्म दिया है। क्या एक ही उम्मीदवार होने पर उसे सीधे विजयी घोषित कर देना सही है या फिर इसमें जनता के 'नापसंद' करने के अधिकार की अनदेखी हो रही है?

1. चुनाव का अर्थ ही 'विकल्प' है
लोकतंत्र की बुनियाद 'पसंद' (Choice) पर टिकी है। जब किसी सीट पर केवल एक ही उम्मीदवार बचता है और उसे बिना मतदान के विजयी घोषित कर दिया जाता है, तो उस क्षेत्र के लाखों मतदाताओं से उनका वोट देने का हक छीन लिया जाता है। चुनाव का मतलब केवल दो लोगों के बीच की रेस नहीं, बल्कि जनता की सहमति प्राप्त करना होना चाहिए।

2. NOTAÑ एक अदृश्य लेकिन सशक्त उम्मीदवार
तकनीकी रूप से देखा जाए तो चुनाव में कभी भी एक उम्मीदवार नहीं होता। सरकार की ओर से NOTA (None of the Above) हमेशा एक विकल्प के रूप में मौजूद रहता है।

प्रस्तावः यदि किसी सीट पर केवल एक उम्मीदवार है, तब भी ईवीएम (EVM) मशीन का बटन दबना चाहिए।

जनता को यह तय करने का मौका मिलना चाहिए कि क्या वे उस इकलौते उम्मीदवार को अपना प्रतिनिधि मानते हैं या नहीं।

3. 'नकारने का अधिकार' (Right to Reject)
यदि मतदान होता है और उस अकेले उम्मीदवार से अधिक वोट NOTA को मिलते हैं, तो वह 'निर्विरोध जीत' रद्द होनी चाहिए। इससे उम्मीदवारों में जनता के प्रति जवाबदेही बढ़ेगी। आज की स्थिति यह है कि अगर विपक्षी उम्मीदवार नामांकन वापस ले ले या तकनीकी कारणों से बाहर हो जाए, तो जनता की राय जाने बिना ही परिणाम घोषित कर दिया जाता है। यह प्रक्रिया चुनाव को 'सेलेक्शन' बना देती है, जबकि इसे 'इलेक्शन' होना चाहिए।

4. सुधार की आवश्यकता
निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका को इस दिशा में विचार करने की आवश्यकता हैः

क्या निर्विरोध जीत लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है?

क्या NOTA को एक 'काल्पनिक उम्मीदवार' मानकर हर परिस्थिति में मतदान अनिवार्य नहीं होना चाहिए?

निष्कर्षः

लोकतंत्र में 'मौन' का अर्थ 'सहमति' नहीं होता। चुनाव प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जहाँ हर नागरिक को अपना विरोध दर्ज कराने का हक मिले। यदि जनता को उम्मीदवार पसंद नहीं, तो उसे रिजेक्ट करने का अधिकार ही असली आजादी है।

चुनाव या वर्चस्व की जंग क्या हम 90 के दशक वाले 'यूपी-बिहार मॉडल' की ओर बढ़ रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद । लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव 'चुनाव' आज एक अजीबोगरीब दौर से गुजर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में जिस तरह से दबंगई, डराने-धमकाने और प्रत्याशियों को मैदान से हटाने की खबरें सामने आई हैं, उसने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है–क्या हम विकास की बात करते-करते विनाशकारी राजनीति की ओर मुड़ गए हैं चुनाव तो पहले भी होते थे, लेकिन इस बार की 'धमक' लोकतंत्र की जड़ों को हिला देने वाली है।

1. जब उम्मीदवार ही सुरक्षित नहीं, तो लोकतंत्र कहाँ है
एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहली शर्त है 'भयमुक्त वातावरण'। लेकिन आज हालात ये हैं कि विपक्षी उम्मीदवार खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। कहीं नामांकन रद्द कराए जा रहे हैं, तो कहीं दबाव डालकर नाम वापस खिंचवाए जा रहे हैं। अगर चुनाव लड़ने वाला व्यक्ति ही असुरक्षित महसूस करेगा, तो वह जनता की आवाज कैसे बनेगा यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

2. 'साम-दाम-दंड-भेद': जीत की अंधी जिद
'चुनाव जीतना ही है '–इस एक जिद ने 'नैतिकता' को हाशिए पर धकेल दिया है। 90 के दशक में उत्तर प्रदेश और बिहार में जिस बाहुबली संस्कृति की चर्चा होती थी, आज उसका एक आधुनिक और डिजिटल स्वरूप पूरे देश में दिखाई दे रहा है। साम, दाम, दंड और भेद का इतना नग्न प्रदर्शन पहले कभी नहीं देखा गया। क्या सत्ता की भूख इतनी बढ़ गई है कि अब जनता के 'चुनने के अधिकार' का कोई मोल नहीं रहा

3. 'निर्विरोध' के पीछे का कड़वा सच
बिना चुनाव कराए किसी को विजेता घोषित कर देना तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन नैतिक रूप से यह मतदाता के साथ धोखा है। लोकतंत्र में हार-जीत से बड़ा 'जनादेश' होता है। जब वोटिंग ही नहीं होगी, तो जनता की पसंद-नापसंद का पता कैसे चलेगा चुनाव को चुनाव रहने देना चाहिए, इसे 'शक्ति प्रदर्शन' का अखाड़ा बनाना भविष्य के लिए घातक है।

4. इतिहास याद रखेगा यह चुनाव
सरकारें आएंगी और जाएंगी, पार्टियां बनेंगी और मिटेंगी, लेकिन इस बार की चुनावी प्रक्रिया ने जो जख्म छोड़े हैं, वे लंबे समय तक याद रखे जाएंगे। डराकर या लालच देकर हासिल की गई जीत क्या वाकई जीत है या यह लोकतंत्र की हार का जश्न है

महानगर मेट्रो का कड़ा रुख:

यदि आज हमने इस 'दबंगई' के खिलाफ आवाज नहीं उठाई, तो आने वाले समय में मतदान केंद्र पर जाने की जरूरत ही खत्म हो जाएगी। लोकतंत्र 'मौन' रहने के लिए नहीं, बल्कि अपना प्रतिनिधि 'चुनने' के लिए है। चुनाव को युद्ध मत बनाइए, इसे जनता का फैसला रहने दीजिए।

पॉश इलाके बोपल में ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़; MD, कोकीन और हाइब्रिड गांजे के साथ विदेशी शराब बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात में नशा मुक्त अभियान के दावों के बीच ड्रग्स माफियाओं ने अब शहर के सबसे पॉश इलाकों को अपना ठिकाना बनाना शुरू कर दिया है। अहमदाबाद के बोपल क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया है। इस छापेमारी में न केवल स्ड (मेफेड्रोन) और कोकीन, बल्कि विदेशों से तस्करी कर लाया गया हाइब्रिड गांजा और विदेशी शराब की बड़ी खेप भी बरामद हुई है।

हाई-प्रोफाइल पार्टियों में होना था सप्लाई

खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने जब बोपल स्थित एक आलीशान फ्लैट पर दबिश दी, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। पुलिस को शक है कि यह माल शहर की 'पेज-3' पार्टियों और रईसजादों के बीच सप्लाई किया जाना था। जब्त किए गए हाइब्रिड गांजे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सामान्य गांजे से कई गुना अधिक बताई जा रही है।

बरामदगी की मुख्य बातें:

नशीले पदार्थों का जखीराः भारी मात्रा में स्ड ड्रग्स और शुद्ध कोकीन।
विदेशी कनेक्शनः लैब में तैयार हाई-टेक हाइब्रिड गांजा।
शराब की तस्करीः ब्रांडेड विदेशी शराब की कई बोतलें।
डिजिटल सबूतः छापेमारी के दौरान कई मोबाइल फोन और डायरियां जब्त की गई हैं, जिनमें बड़े ग्राहकों के नाम होने की संभावना है।

जांच के घेरे में बड़े गिरोह

इस मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। प्राथमिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि इस नेटवर्क के तार अन्य राज्यों और अंतरराष्ट्रीय तस्करों से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि आखिर शहर के बीचों-बीच इतने बड़े पैमाने पर नशे का काला कारोबार किसकी शह पर फल-फूल रहा था।

शहर में बढ़ती ड्रग्स की इस चुनौती ने स्थानीय निवासियों और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया है कि नशे के सौदागरों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति जारी रहेगी।

संसद का 'महा-सत्र': चुनावी बिसात पर तीन बड़े बिल, गिरिराज सिंह का विपक्ष को 'घर में खाना नहीं मिलेगा' वाला तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

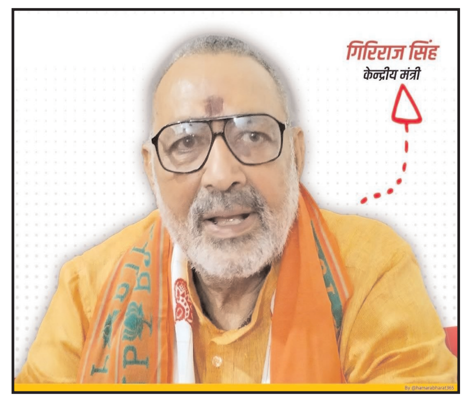

नई दिल्ली । देश की राजनीति में आज का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है, जिसकी आहट ने ही सियासी गलियारों में खलबली मचा दी है। यह सत्र केवल हंगामेदार ही नहीं, बल्कि निर्णायक होने वाला है, क्योंकि मेज पर वो तीन बिल हैं जो भारत के चुनावी ढांचे और प्रतिनिधित्व की तस्वीर पूरी तरह बदल देंगे।

1. तीन बिल: लोकतंत्र का नया 'डिजाइन'

सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन (Delimitation) जैसे बेहद संवेदनशील और दूरगामी प्रभाव वाले कानूनों को पारित कराने की तैयारी में है।

महिला आरक्षणः दशकों से अटका यह बिल अगर पास होता है, तो सदन में 'आधी आबादी' की ताकत वास्तविक रूप में दिखेगी।

परिसीमनः सीटों के नए सिरे से निर्धारण को लेकर विपक्ष के मन में डर है, लेकिन सरकार इसे 'समान प्रतिनिधित्व' का नाम दे रही है।

2. गिरिराज सिंह का 'अग्निबाण': 'नहीं मिलेगा घर में खाना! '

सत्र शुरू होने से पहले ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में विपक्ष पर करारा हमला बोला है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वालों को चेतावनी देते हुए कहाः 'जो सांसद महिला आरक्षण बिल पास करने में अपना योगदान नहीं देगा, उसे घर में खाना नहीं मिलेगा। यह बिल नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है और जो इसके खिलाफ खड़ा होगा, उसे जनता ही नहीं, उसका परिवार भी माफ नहीं करेगा। ' मंत्री जी ने परिसीमन पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए साफ कहा कि किसी भी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा, प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी।

3. विपक्ष की घेराबंदी: सवालों का चक्रव्यूह

विपक्ष भी चुप बैठने के मूड में नहीं है। सरकार के इस 'स्पेशल मूव' को विपक्षी खेमा चुनावी स्टंट बता रहा है। विपक्ष के मुख्य सवाल हैं:

अचानक विशेष सत्र की जरूरत क्यों पड़ी

परिसीमन के बहाने क्या दक्षिण भारत के राज्यों की आवाज दबाने की कोशिश है

क्या सरकार असल मुद्दों (महंगाई, बेरोजगारी) से ध्यान भटकाने के लिए यह 'इवेंट' कर रही है

4. 'महानगर मेट्रो' का विश्लेषण: चुनावी बिसात या राष्ट्र निर्माण

यह सत्र महज विधायी प्रक्रिया नहीं है। यह 2026 के आगामी चुनावों के लिए एक बड़ी लकीर खींचने की कोशिश है। अगर महिला आरक्षण बिल पास होता है, तो यह सरकार के लिए एक बड़ा 'गेम चेंजर' साबित होगा। वहीं, परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को उत्तर और दक्षिण भारत के संतुलन को साधने की बड़ी चुनौती होगी।

महानगर मेट्रो की बात:

संसद के भीतर आज से जो बहस शुरू होगी, उसकी गूंज देश की हर गली और मोहल्ले में सुनाई देगी।

महिला जैन मिलन गढ़ाकोटा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गढ़ाकोटा। महिला जैन मिलन गढ़ाकोटा का शपथ ग्रहण समारोह अतिशय क्षेत्र पटेरिया जी में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेन्द्र जैन की मुख्य उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं महावीर प्रार्थना से हुआ। मिष्ठी जैन एवं ऐनी जैन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंजलि जैन, मंत्री सविता जैन सिंघई, कोषाध्यक्ष अभिलाषा जैन, उपाध्यक्ष सुनीता सेठ, सह सचिव सारिका जैन तथा भक्तामर सचिव पवन जैन को क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय जैन शक्कर ने शपथ दिलाई। अतिथियों में क्षेत्रीय मंत्री जिनेश जैन बहरोल एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनीष विद्यार्थी सहित जैन समाज के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन मंजू जैन सेठ ने किया। इस अवसर पर प्रश्नावली विजेताओं, पूर्व पदाधिकारियों तथा पंचकल्याणक महोत्सव में महापात्र बनी वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। पूर्व अध्यक्ष संगीता जैन ने अपनी टीम का आभार जताया।

मुख्य अतिथि कमलेन्द्र जैन ने कहा कि इस वर्ष को 'जैन सम्राट वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर जैन धर्म की प्रभावना की जाएगी। समापन पंच परमेष्ठि स्तुति एवं सामूहिक भोजन के साथ हुआ।

'सच की सज़ा' और महाशक्तियों का मायाजाल

पवन माकन (ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

दुनिया में सबसे बड़ा अपराध क्या है चोरी, डकैती या हत्या शायद नहीं। आज के दौर में सबसे बड़ा अपराध है–'समय से पहले सच बोल देना'।

जब पूरी दुनिया एक प्रायोजित डर के साये में जी रही थी, जब 'महामारी' के नाम पर देशों को बंधक बनाया जा रहा था, तब हमने चीख-चीख कर आगाह किया था। लेकिन तब सच बोलने वालों के साथ क्या हुआ उन्हें 'कॉन्स्पिरेसी थ्योरिस्ट' (अफवाह फैलाने वाला) कहा गया, उन्हें पाकिस्तान का एजेंट बताया गया और सोशल मीडिया की तानाशाही ने उनकी आवाज़ को दबाने के लिए प्रोफाइल तक सस्पेंड कर दिए।

प्रायोजित महामारी और गुलामी का नया मॉडल

इतिहास गवाह है कि जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति भारत आए थे, उसके तुरंत बाद देश में आतंक का माहौल तैयार किया गया। यह महज इत्तेफाक नहीं था। यह फार्मा माफियाओं और सत्ता के दलालों का एक ऐसा चक्रव्यूह था, जिसमें आम आदमी को 'सुरक्षा कवच' के नाम पर मजबूर किया गया।

सवाल यह है कि आखिर दुनिया के बड़े-बड़े प्रभावशाली लोग इस 'सुरक्षा कवच' को थोपने के लिए इतने बेताब क्यों थे

एपस्टीन का जाल और सीडी का खेल

सच्चाई की परतें अब खुल रही हैं। क्या यह सब किसी बड़े ब्लैकमेलिंग रैकेट का हिस्सा था जेफरी एपस्टीन जैसे किरदारों ने दुनिया के रसूखदारों को अपने जाल में फंसा रखा था। जब सत्ता की चाबी और रसूखदारों की 'सीडी' माफियाओं के हाथ में हो, तो वे वही करेंगे जो उनके आका चाहेंगे। चाहे इसके लिए निर्दोषों की जान की बलि ही क्यों न देनी पड़े।

सेंसरशिप का प्रहारः फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स ने हजारों पोस्ट डिलीट कीं। क्यों क्योंकि वे सच को 'मिसलीडिंग' बताकर माफियाओं का एजेंडा चला रहे थे।

ईमानदार विशेषज्ञों की अनदेखीः दुनिया भर के वो डॉक्टर और वैज्ञानिक जो प्रमाण दे रहे थे, उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया गया।

भरोसे का कत्लः आज जब सच सामने आ रहा है, तो सवाल उन नेताओं, अभिनेताओं और धार्मिक गुरुओं पर भी उठता है जो इस प्रोपेगेंडा के ब्रांड एंबेसडर बने हुए थे।

मेरी बेबाक राय मैं आज भी कहता हूं कि व्यवस्थाओं पर आंख मूंदकर विश्वास करना गुलामी की पहली सीढ़ी है। जो जानकारी विदेशों से आ रही थी, उसे भारत में सार्वजनिक करना 'जघन्य अपराध' बना दिया गया था ताकि माफिया अपना व्यापार कर सकें। महानगर मेट्रो के पाठकों से मेरा सिर्फ इतना कहना है–जागते रहिए। जो सच आज सामने आ रहा है, हम उसके लिए वर्षों पहले अपनी डिजिटल पहचान दांव पर लगा चुके हैं। हम न तब झुके थे, न आज रुकेंगे।

अंतिम शब्दः

शेर की एक दिन की जिंदगी गीदड़ की सौ साल की गुलामी से बेहतर है। सच कड़वा हो सकता है, लेकिन वह अंततः सामने आता ही है।

सच के साथ, निर्भीक पत्रकारिता।

सियासत का 'कीचड़' और शरीफों का डरः 'चुनाव लड़ना यानी आफत को दावत देना'

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली । 'मैं इसीलिए चुनाव में खड़ा नहीं होता, क्योंकि मैदान में उतरते ही मेरे खिलाफ 10-12 झूठी अर्जियां दाखिल हो जाएंगी! '–यह महज एक व्यक्ति का डर नहीं, बल्कि आज के भारत के उस आम आदमी की हकीकत है जो देश बदलना तो चाहता है, लेकिन सिस्टम के 'कीचड़' से डरता है। आज की राजनीति सेवा का मार्ग नहीं, बल्कि विरोधियों को 'निपटाने' की साजिश बन गई है।

1. चरित्र हननः राजनीति का नया हथियार

आज के दौर में चुनाव नीतियों पर नहीं, बल्कि 'नीचता' पर लड़ा जा रहा है। जैसे ही कोई पढ़ा-लिखा या ईमानदार व्यक्ति चुनाव लड़ने का मन बनाता है, तंत्र और विरोधी सक्रिय हो जाते हैं। झूठी शिकायतें, पुराने गड़े मुर्दे उखाड़ना और चरित्र हनन की ऐसी मशीनें चलाई जाती हैं कि एक शरीफ इंसान अपनी इज्जत बचाने के लिए मैदान छोड़ने पर मजबूर हो जाता है।

2. 90 के दशक का डर, 2026 का 'डिजिटल' प्रहार

90 के दशक में बाहुबली डराकर घर बिठाते थे, आज 'फेक एप्लीकेशन' और कानूनी दांव-पेच के जरिए डराया जा रहा है। एक उम्मीदवार खुद को तब तक सुरक्षित नहीं मानता जब तक वह सत्ता की शरण में न चला जाए। अगर चुनाव लड़ने की शर्त अपनी आबरू दांव पर लगाना है, तो फिर लोकतंत्र में 'लोक' (जनता) कहां बचेगी?

3. 'साम-दाम-दंड-भेद' की बलि चढ़ती ईमानदारी

सत्ता हथियाने की अंधी दौड़ ने 'शाम-दाम-दंड-भेद' को अपना धर्म बना लिया है। निर्दोषों को फर्जी मुकदमों में फंसाना और उन पर दबाव बनाना अब चुनावी रणनीति का हिस्सा है। यही कारण है कि आज संसद और विधानसभाओं में बुद्धिजीवियों की जगह उन लोगों की संख्या बढ़ रही है जो 'सिस्टम' को मैनेज करना जानते हैं।

महानगर मेट्रो का सीधा सवालः

अगर झूठी अर्जियों और कानूनी धमकियों के डर से अच्छे लोग राजनीति से दूर रहेंगे, तो फिर देश की बागडोर किन हाथों में जाएगी? क्या हमने लोकतंत्र को केवल बाहुबलियों और धनबलियों का अखाड़ा बना दिया है? याद रखिए, जब शरीफ आदमी चुप रहता है, तब सिस्टम और भी ज्यादा निरंकुश हो जाता है।

तृणमूल कांग्रेस के युवराज अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर किया तीखा हमला, उन्होंने कहा

महानगर मेट्रो

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार इन दिनों जोरशोर से चल रहा है। इसे लेकर उत्तर बंगाल में जहां तृणमूल नेत्री ममता बनर्जी राजनीतिक सभा एवं रोड शो का आयोजन कर रही है, वहीं दक्षिण कोलकाता के विष्णुपुर में संगठनात्मक जिला तृणमूल कांग्रेस के आह्वान पर अभिषेक बनर्जी अभी ओंडा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार सुब्रत दत्ता (गोपी) के समर्थन में गुरुवार को एक रोड शो किया। इस रोड शो का नेतृत्व ओंडा स्टेडियम से ओंडा चौराहे तक किया गया। इसके बाद अभिषेक ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। गुरुवार को, तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव, अभिषेक बनर्जी ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी यह आरोप को दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल की लड़ाई में चुनाव आयोग ही बीजेपी का सबसे बड़ा 'ट्रंप कार्ड' है। चुनाव आयोग को ढाल बनाकर बीजेपी बंगाल चुनाव में जीत हासिल कर सरकार बनाने के सपने देख रही है। अभिषेक ने कहा है, अगर आपको लगता है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, या योगी आदित्यनाथ बीजेपी के ट्रंप कार्ड हैं, तो आप गलत हैं। बीजेपी का असली ट्रंप कार्ड चुनाव आयोग है। एक ऐसी संस्था जो पर्दे के पीछे से बीजेपी की तरफ से लड़ रही है। वे ठीक वैसे ही निर्देशों का पालन कर रहे हैं जैसा बीजेपी उन्हें बता रही है। केंद्रीय बलों की सौ कंपनियाँ–ऐसी इकाइयाँ जिनका इस्तेमाल पहलगाम, दिल्ली, मणिपुर, या नोएडा जैसी जगहों पर कहीं ज़्यादा प्रभावी ढंग से किया जा सकता था, उन्हें इसके बजाय बंगाल में तैनात कर दिया गया है। उन्हें तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हर व्यक्ति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। इसमें मेरा अपना परिवार भी शामिल है। अभिषेक ने एक कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, आप जो चाहें मांगें, या जिसे चाहें निशाना बनाएँ–लेकिन यह बात ध्यान में रखें, आप बंगाल में ठीक अगले 19 दिनों तक ही रहेंगे। गुजरात के उन 'बाबूओं' के लिए, जिन्होंने हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी है और उन्हें घरों के अंदर रहने को कहा है, एक बार चुनाव के नतीजे घोषित हो जाने के बाद, आप बंगाल में 30 मिनट के लिए भी नजर नहीं आएंगे। यह कोई धमकी नहीं है, यह एक चुनौती है। यह ध्यान देने योग्य है कि, बंगाल में हुए पिछले कुछ चुनावों में, बीजेपी अपने उम्मीदों के आस-पास भी नतीजे हासिल करने में नाकाम रही है। उनके लिए, आने वाला 2026 का चुनाव एक 'करो या मरो' की लड़ाई जैसा है। सत्ताधारी खेमे का आरोप है कि जीत सुनिश्चित करने की एक सोची-समझी चाल के तहत, चुनाव वाले बंगाल भर में केंद्रीय बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है।

लोकतंत्र का उत्सव या चुनावी 'सेटिंग' का खेल

बदलता ट्रेंडः निर्विरोध जीत के बीच दम तोड़ता जनता का 'राइट टू रिजेक्ट'

महानगर मेट्रो

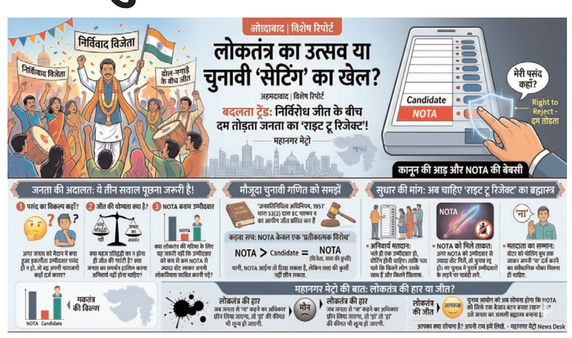

अहमदाबाद । गुजरात की राजनीति में इन दिनों एक नया 'शॉर्टकट' चर्चा में है– 'निर्विरोध' (Unopposed) चुने जाना। नामांकन वापस लिए जाते हैं, पर्चे खारिज होते हैं और अंत में मैदान में बचता है सिर्फ एक 'महारथी'। ढोल-नगाड़े बजते हैं, जीत का तिलक लगता है, लेकिन इस शोर के बीच क्या आपने लोकतंत्र की खामोश सिसकी सुनी महानगर मेट्रो आज जनता के उस बुनियादी सवाल को उठा रहा है, जो सत्ता के गलियारों में दबा दिया गया हैः 'जब EVM में NOTA (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प मौजूद है, तो बिना मतदान के किसी को विजेता कैसे माना जा सकता है '

जनता की अदालतः ये तीन सवाल पूछना जरूरी है!

लोकतंत्र में वोट देना सिर्फ अधिकार नहीं, कर्तव्य है। लेकिन जब उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिया जाता है, तो मतदाता से उसकी 'नापसंदगी' व्यक्त करने का हक छीन लिया जाता है।

1.पसंद का विकल्प कहाँः अगर जनता को मैदान में बचा हुआ इकलौता उम्मीदवार पसंद ही न हो, तो वह अपनी नाराजगी कहाँ दर्ज कराए

2.जीत की योग्यता क्या हैः क्या महज प्रतिद्वंद्वी का न होना ही जीत की गारंटी है क्या जनता का समर्थन हासिल करना अनिवार्य नहीं होना चाहिए

3.NOTA बनाम उम्मीदवारः क्या लोकतंत्र की गरिमा के लिए यह जरूरी नहीं कि उम्मीदवार को कम से कम NOTA से ज्यादा वोट लाकर अपनी लोकप्रियता साबित करनी पड़े

कानून की आड़ और NOTA की बेबसी

मौजूदा चुनावी गणित को समझें तो 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951' की धारा 53(2) चुनाव आयोग को यह शक्ति देती है कि यदि सीटों के बराबर ही उम्मीदवार बचे हों, तो उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाए। कड़वा सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद वर्तमान में NOTA केवल एक 'प्रतीकात्मक विरोध' बनकर रह गया है। अगर किसी चुनाव में NOTA को सबसे ज्यादा वोट मिल भी जाएं, तो भी दूसरे नंबर वाले (जीवित उम्मीदवार) को ही विजेता माना जाता है। यानी, NOTA आईना तो दिखा सकता है, लेकिन सत्ता की कुर्सी नहीं छीन सकता।

सुधार की मांगः अब चाहिए 'राइट टू रिजेक्ट' का ब्रह्मास्त्र

विशेषज्ञों और जागरूक नागरिकों का मानना है कि यदि लोकतंत्र को 'सेटिंग' से बचाना है, तो ये तीन बदलाव क्रांतिकारी साबित होंगेः

अनिवार्य मतदानः भले ही एक उम्मीदवार हो, वोटिंग होनी चाहिए। ताकि पता चले कि कितने लोग उसके साथ हैं और कितने खिलाफ।

NOTA को मिले ताकतः अगर NOTA को उम्मीदवार से ज्यादा वोट मिलें, तो चुनाव रद्द हो। नए चुनाव में पुराने उम्मीदवारों के लड़ने पर पाबंदी लगे।

मतदाता का सम्मानः वोटर को पोलिंग बूथ तक जाकर अपनी 'ना' दर्ज करने का संवैधानिक मौका मिलना ही चाहिए।

महानगर मेट्रो की बातः लोकतंत्र की हार या जीत

जब सत्ता के सौदे और सियासी चालों के बीच प्रतिद्वंद्वी मैदान छोड़ देते हैं, तो जीत किसी नेता की नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होती है। अगर जनता से 'ना' कहने का अधिकार छीन लिया जाएगा, तो 'हां' की कीमत भी शून्य हो जाएगी। चुनाव आयोग को अब सोचना होगा कि NOTA को सिर्फ एक बेजान बटन बनाए रखना है या उसे जनता का असली ब्रह्मास्त्र बनाना है!

आपका क्या सोचना है क्या निर्विरोध चुने जाने की यह परंपरा हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं है अपनी राय हमें लिखें।

अमरावती का 'हवस कांड': 180 बेटियां, एक दरिंदा और अब... योगी वाला इंसाफ

बुलडोजर से ढहा अयान का अहंकार, नवनीत राणा की ललकार— 'अब सीधा एनकाउंटर करो'

महानगर मेट्रो

अमरावती । महाराष्ट्र का अमरावती जिला आज शर्मसार भी है और आक्रोशित भी। 'प्रेम जाल' की आड़ में हवस का ऐसा खौफनाक खेल खेला गया जिसने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। 19 साल का एक लड़का, 180 मासूम लड़कियां और ब्लैकमेलिंग का वो काला जाल, जिसे सुनकर रूह कांप जाए। लेकिन अब इस मामले में 'इंसाफ' की गाड़ी पटरी पर लौट आई है–वो भी उत्तर प्रदेश वाले 'योगी मॉडल' के साथ!

अयान के 'पाप' पर चला प्रशासन का बुलडोजर

अमरावती कांड का मुख्य आरोपी, 19 वर्षीय अयान तनवीर, जिसने 180 लड़कियों को अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में फंसाया, उनका यौन शोषण किया और अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें जिंदगी भर का जख्म दिया। प्रशासन ने अब अयान के उस ठिकाने को मिट्टी में मिला दिया है जहाँ बैठकर वो अपनी साजिशें बुनता था। अयान के अवैध निर्माण पर गरजते बुलडोजर ने यह साफ संदेश दे दिया है कि कानून के हाथ अब दरिंदों की गर्दन तक पहुँच चुके हैं।

नवनीत राणा का तीखा प्रहारः 'अब सिर्फ एनकाउंटर चाहिए! '

इस दरिंदगी के खिलाफ पूर्व सांसद और बीजेपी नेत्री नवनीत राणा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहाः 'जो होगा वो बाद में देखा जाएगा, लेकिन पुलिस से मेरा निवेदन है कि अमरावती की बेटियों की जिंदगी बर्बाद करने वाले इन दरिंदों का 'योगी मॉडल' की तरह एनकाउंटर किया जाए। बेटियों की अस्मत से खेलने वालों को जिंदा रहने का कोई हक नहीं है। ' नवनीत राणा के इस बयान ने पूरे महाराष्ट्र की राजनीति और पुलिस महकमे में हलचल पैदा कर दी है। जनता अब सवाल पूछ रही है–क्या ऐसे मामलों में कोर्ट-कचहरी का लंबा इंतजार ही एकमात्र रास्ता है, या फिर 'त्वरित न्याय' का खौफ जरूरी है

लव जिहाद या हवस का संगठित नेटवर्क

180 लड़कियों का एक साथ शोषण होना किसी एक व्यक्ति की सनक नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश की ओर इशारा करता है। महानगर मेट्रो इस मामले की तह तक जाकर यह पूछ रहा हैः कहाँ था सिस्टमः एक लड़का इतने बड़े पैमाने पर कांड करता रहा और खुफिया तंत्र को भनक तक नहीं लगी सोशल मीडिया का कालचक्रः क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म अब शिकारियों के लिए 'सॉफ्ट टारगेट' ढूंढने का अड्डा बन गए हैं खौफ जरूरी हैः क्या बुलडोजर की कार्रवाई इन दरिंदों के मन में डर पैदा करने के लिए काफी है

महानगर मेट्रो की हुंकारः चुप मत रहिए!

यह सिर्फ अमरावती की लड़कियों की बात नहीं है, यह हर उस मां-बाप की चिंता है जिनकी बेटियां घर से बाहर निकलती हैं। अयान तनवीर जैसे लोग समाज के माथे पर कलंक हैं। अगर आज सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो कल कोई और अयान पैदा होगा। नवनीत राणा की 'एनकाउंटर' वाली मांग पर आपकी क्या राय है क्या दरिंदों के खिलाफ 'ठोक दो' नीति ही सही इलाज है

अलीपुरद्वार की रैली में ममता ने पीएम मोदी के चुनावी वादों पर किया तीखा हमला, कहा

आपने कहा था हर साल दो करोड़ नौकरी देंगे, किसे मिली नौकरी, क्या हुआ उस वादे का

महानगर मेट्रो

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में आगामी 23 व 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए, समाज के हर तबके के लोगों, चाय बागान के मजदूरों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक का दिल जीतने की पुरजोर कोशिश की। गुरुवार को अलीपुरद्वार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए रोजगार के वादों को लेकर उन पर तीखा पलटवार किया। इसके साथ ही, उन्होंने चाय बागानों को फिर से खोलने, एनआरसी और केंद्र सरकार द्वारा कथित उपेक्षा से जुड़े मुद्दों पर बीजेपी को आड़े हाथों लिया।

रोजगार सृजन को लेकर बीजेपी के दावों का जवाब देते हुए ममता ने कहा, वे दावा करते हैं कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के दौरान कोई रोजगार पैदा नहीं हुआ है। मै पीएम मोदी से सवाल करती हूं आपने भी तो वादा किया था कि प्रत्येक वर्ष 2 करोड़ नौकरियां देंगे, अबतक किन लोगों को वह नौकरी मिली। आपके वादे के मुताबिक वह रोजगार कहाँ गए? चुनावों से पहले, आपने हर साल 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, उस हिसाब से, पिछले 12 सालों में 24 करोड़ रोजगार पैदा होने चाहिए थे! फिर भी, आज रेलवे में काम करने के लिए पर्याप्त 'गैंगमैन' भी उपलब्ध नहीं हैं।

प्रधानमंत्री के पद का उचित सम्मान करने की सलाह देते हुए उन्होंने आगे कहा, हमने 7वां वेतन आयोग इसी साल फरवरी में ही लागू कर दिया था। कोई भी बयान देने से पहले, प्रधानमंत्री की कुर्सी का सम्मान करें। झूठ बोलने से पहले अपने तथ्यों की ठीक से जांच कर लें।

अलीपुरद्वार के चाय बागानों का ज़िक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने श्रोताओं को याद दिलाया कि हालांकि मोदी जी ने बंद पड़ी चाय बागानों को फिर से खोलने का वादा किया था, लेकिन वे अपना वादा पूरा करने में नाकाम रहे। असल में, यह तृणमूल सरकार ही है जिसने बंद पड़े बागानों को फिर से खोला। सरकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ पेंशन प्रणाली अभी भी लागू है। कर्मचारियों को न केवल 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिलता है, बल्कि उन्हें छुट्टियों के उदार लाभ और हर पाँच साल में एक बार विदेश यात्रा का अवसर भी मिलता है। असम से आ रहे एनआरसी नोटिसों के खिलाफ आवाज उठाते हुए ममता ने आरोप लगाया कि परिसीमन की आड़ में पश्चिम बंगाल को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, महिलाओं में आत्म-सम्मान होता है। उन्हें इस तरह ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता। जहाँ तक मेरी पार्टी की बात है, उसमें तो पहले से ही महिलाओं का 37 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। इन दिनों भाजपा नेताओं द्वारा विभिन्न होटल के कमरों से पैसे बांटने के लिए बाहर से लोगों को बुलाने की प्रथा की ममता ने कड़ी निंदा की। उन्होंने अंत में साफ स्पष्ट कर दिया कि इस बार भी भारी मतों से तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के रास्ते में आगे बढ़ रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे जीएम का निरीक्षण दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा

महानगर मेट्रो

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने गुरुवार को भीलड़ी-समदड़ी-लूणी-जोधपुर रेलखंड का निरीक्षण किया। करीब 11 घंटे चले दौरे में उन्होंने विभिन्न स्टेशनों पर विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं और संरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने ओढ़वा, धनेरा, भीनमाल, मोदरान, जालोर और समदड़ी स्टेशनों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति भी देखी।

बालवाड़ा-मोकलसर सेक्शन में उत्कृष्ट कार्य के लिए गेटमैन सुखराम को 5 हजार रुपये तथा गैंग नंबर 5 को 20 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। निरीक्षण के दौरान जोधपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मेष
आज ऊर्जा और आत्मविश्वास बना रहेगा, नए काम शुरू करने के लिए समय अच्छा है।
नौकरी-व्यापार में लाभ मिलेगा, परिवार के साथ खुशी रहेगी।

वृषभ
आज धैर्य और समझदारी से काम लें, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें।
परिवार का सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या सुधारें।

मिथुन
आज नए लोगों से मुलाकात लाभदायक रहेगी, काम में नई जिम्मेदारी मिल सकती है।
तनाव से बचें और परिवार के साथ समय बिताएं।

कर्क
आज परिवार में खुशहाली और रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।
नौकरी में सम्मान मिलेगा, आय के नए अवसर बनेंगे।

सिंह
आज आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा, बड़े फैसले लेने के लिए समय अच्छा है।
व्यापार में लाभ होगा, खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या
आज योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी।
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला
आज संतुलन बनाए रखें, काम का दबाव बढ़ सकता है।
परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक
आज शुभ समाचार मिल सकता है, नौकरी-व्यापार में प्रगति होगी।
आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

धनु
आज नए अवसर मिलेंगे, यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है।
व्यापार में लाभ होगा, दोस्तों के साथ समय अच्छा बीतेगा।

मकर
आज मेहनत का अच्छा फल मिलेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।
परिवार के साथ खुशी रहेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ
आज रचनात्मकता बढ़ेगी, नए विचारों को सराहना मिलेगी।
नौकरी में अवसर मिलेंगे, परिवार संग अच्छा समय बीतेगा।

मीन
आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें और काम पर ध्यान दें।
खर्चों पर नियंत्रण रखें, योग और ध्यान लाभदायक रहेगा।

बिहार में संभावनाएं विकास कीः अब सत्ता सम्राट की

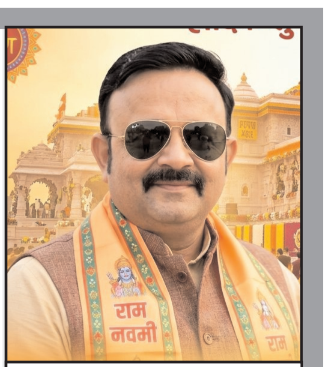

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया।

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

संपादकीय

बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी संकट

कांतिलाल मांडोत

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण भारत में भी ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की कीमतों में लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है। यह संभावित वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल है और फिलहाल कीमतों को स्थिर रखा गया है।

भारत जैसे देश में जहां ऊर्जा की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है, वहां कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे आम लोगों की जिंदगी को प्रभावित करता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व और रूस जैसे क्षेत्रों से आता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव, युद्ध या आपूर्ति में कमी का असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ता है।

पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। करीब डेढ़ महीने के भीतर ही कीमतों में 27 डॉलर प्रति बैरल तक का उछाल दर्ज किया गया है। इस बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियां हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान झेल रही हैं। कुल मिलाकर यह नुकसान प्रतिदिन लगभग 1600 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पहले 2400 करोड़ रुपए के स्तर तक भी जा चुका था।

सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कुछ कटौती किए जाने के बावजूद यह राहत पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार का तेल पर मिलने वाला राजस्व भी घटा है। जहां 2017 में यह 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर करीब 8 प्रतिशत रह गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार के पास भी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीमित विकल्प बचे हैं। यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तब भी कंपनियों के घाटे की पूरी भरपाई संभव नहीं है।

इस स्थिति का एक बड़ा कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव भी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, विशेष रूप से ईरान और यूनाइटेड स्टेट के बीच बढ़ती खींचतान, कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित कर रही है। आपूर्ति में कमी और मांग में स्थिरता या वृद्धि के कारण कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल, साबुन, शैंपू, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने लगते हैं। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के बजाय पैकेट का आकार छोटा कर देती हैं, जिसे ह्यश्रिंकफ्लेशनह्ण कहा जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से बोझ बढ़ता है। खाद्य तेल की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 57 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से इनके दाम भी 7 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री महंगी होने से एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है।

घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में भी लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा पहले ही ग्राहकों पर डाल चुकी हैं और आगे भी कीमतें बढ़ने की संभावना बनी हुई है। कपड़ा उद्योग में सिंथेटिक फाइबर की कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कपड़ों के दाम भी बढ़ेंगे। पेंट उद्योग में भी लागत में वृद्धि के कारण 2 से 5 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इस पूरी स्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू देश का चालू खाता घाटा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत का चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। यूनाइटेड स्टेट में पेट्रोल की औसत कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है। भारत के पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका में भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। फिलहाल भारत में कीमतों को स्थिर रखा गया है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहना मुश्किल है। जैसे ही चुनावी प्रक्रिया समाप्त होगी, कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा और महंगाई में और वृद्धि होगी। इस परिस्थिति में सरकार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर कंपनियों के घाटे को कम करना जरूरी है, तो दूसरी ओर आम जनता को राहत देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और तेल कंपनियां इस चुनौती से कैसे निपटती हैं और आम जनता को कितनी राहत मिल पाती है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

उमेश चतुर्वेदी

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्यद कश्मीर फाइल्सह्ण नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे ह्यअर्बन नक्सलह्ण कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है।

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं।

जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है।

दबिश के दौरान पुलिस टीम पर हमला, परिजनों ने हाथापाई कर वांछित आरोपी को छुड़ाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के खतौली क्षेत्र में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस की टीम एनडीपीएस एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी को हिरासत में ले लिया

था, लेकिन मौके पर पहुंचे परिजनों ने अचानक पुलिस टीम पर हमला कर दिया और धक्का-मुक्की करते हुए आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाकर फरार करा दिया। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पूर्व सभासद को पकड़ने गई थी पुलिस

जानकारी के अनुसार, खतौली कोतवाली क्षेत्र के देवीदास मोहल्ले में पुलिस टीम पूर्व सभासद विनोद शेरवान को एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित होने पर गिरफ्तार करने पहुंची थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी को पकड़ लिया था, लेकिन इसी दौरान परिजन मौके पर पहुंच गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिजनों और समर्थकों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और भीड़ ने आरोपी को पुलिस की पकड़ से छुड़ा लिया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को पीछे हटना पड़ा।

वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

घटना का वीडियो किसी स्थानीय व्यक्ति द्वारा बनाया गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिलाएं और पुरुष पुलिसकर्मियों से झगड़ते हुए आरोपी को छुड़ाकर ले जा रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें सक्रियघटना के बाद पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। CO खतौली का बयानसीओ खतौली रामाशीष यादव ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के वांछित आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीम भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया था, लेकिन परिजनों ने पुलिस टीम पर बल प्रयोग और अभद्रता करते हुए उसे छुड़ा लिया।उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि इस मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आसमान से निगरानी, जमीन पर गिरफ्तारी! कानपुर में गांजा तस्करों पर हाइटेक एक्शन, 7 महिलाओं समेत 8 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और हाईटेक कार्रवाई को अंजाम दिया. 'ऑपरेशन व्हाइट पाउडर' के तहत चलाए गए इस अभियान में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए गांजा तस्करी

के संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया.ड्रोन से निगरानी, सटीक लोकेशन पर एक्शनइस कार्रवाई में पहली बार ड्रोन कैमरों की मदद से संकरी गलियों और छतों पर हो रही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई. ड्रोन से मिली सटीक लोकेशन के आधार पर पुलिस टीमों ने एक साथ कई जगहों पर दबिश दी, जिससे आरोपियों को भागने का मौका नहीं मिला.छापेमारी के दौरान पुलिस ने 7 महिलाओं और 1 पुरुष को गिरफ्तार किया. जांच में सामने आया कि ये लोग लंबे समय से इलाके में गांजे की पुड़िया बनाकर उसकी सप्लाई कर रहे थे. तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 3 किलो से अधिक अवैध गांजा और करीब 92 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं.

रोजाना लाखों का अवैध कारोबार

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इस नेटवर्क के जरिए प्रतिदिन 4 से 5 लाख रुपये तक का गांजा बेचा जा रहा था, जिससे इसके बड़े स्तर पर संचालित होने की पुष्टि हुई है.

70 से ज्यादा जवानों ने की घेराबंदी

इस ऑपरेशन में क्राइम ब्रांच, सचेंडी और पनकी थाना पुलिस के साथ रिजर्व फोर्स के 70 से अधिक जवान शामिल रहे. ड्रोन से संदिग्ध स्थान चिन्हित होते ही पूरे इलाके की घेराबंदी कर एक साथ कार्रवाई की गई.

आधिकारिक बयानएडीसीपी क्राइम सुमित एस रामटेके ने बताया कि सचेंडी और आसपास के इलाकों में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री की लगातार सूचनाएं मिल रही थीं. ड्रोन तकनीक की मदद से सटीक जानकारी जुटाकर यह कार्रवाई की गई, जिसमें बड़ी मात्रा में गांजा और नकदी बरामद हुई है. उन्होंने कहा कि नशे के इस नेटवर्क को तोड़ दिया गया है

कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग, आसमान में छाया काले धुएं का गुबार, पूरे इलाके में अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। इंदिरापुरम की कनावनी पुलिया के पास स्थित कबाड़ गोदाम में आग लगने से दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग बुझाने के प्रयास में जुटी हैं।दिल्ली से सटे गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक कबाड़ का गोदाम अचानक आग से धधक उठा। गुरुवार दोपहर

गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पूरे क्षेत्र में आसमान काले धुएं से पट गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कनावनी पुलिया के पास आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखा कबाड़ पूरी तरह इसकी चपेट में आ गया। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं और आसमान में काले धुएं का घना गुबार छा गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कर रहीं प्रयास

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए मोर्चा संभाले हुए हैं। लगातार पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। संकरी जगह और कबाड़ के ढेर के चलते आग बुझाने में दिक्कतें सामने आ रही हैं।

जनहानि की आशंका, आधिकारिक पुष्टि नहीं

शुरुआती जानकारी में आग की चपेट में आने से जनहानि की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रशासन और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है और हालात पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली में EV चार्जिंग को केंद्र का सहारा, सड़कों पर उतरेंगी 150 इलेक्ट्रिक बसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार आवासीय क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक गाड़ियों **(EV)** के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता मांगने की तैयारी कर रही है। परिवहन विभाग भारी उद्योग मंत्रालय (DHI) को **PM E-Drive** योजना के तहत प्रस्ताव भेजेगी, जिसमें राजधानी में सार्वजनिक और सामुदायिक चार्जिंग के साथ-साथ बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए फंड की मांग की जाएगी। पिछली **EV** नीति के तहत 2024 तक लगभग 18 हजार पब्लिक और सेमी-पब्लिक चार्जिंग पॉइंट लगाने का लक्ष्य था, लेकिन 2,500 से भी कम स्टेशन स्थापित हो पाए।

अधिकारियों के अनुसार, आवासीय क्षेत्र में पब्लिक चार्जिंग स्टेशन का लक्ष्य पूरा नहीं होने का मुख्य कारण **RWA** की हिचकिचाहट थी, जिन्हें लगाने की कुल लागत का लगभग 50 फीसदी वहन करना था। कई आवासीय संगठनों ने इसके चलते इसमें रुचि नहीं दिखाई। RWA की सक्रिय भागीदारी नहीं होने के चलते अब हम स्थानीय हितधारकों पर वित्तीय बोझ कम करने और तेजी से विस्तार के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय मदद के लिए बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो इसे लेकर जल्द ही एक बैठक भी होने वाली है।

क्या कहती ये नीति

दल्ली सरकार की नई EV नीति के तहत दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (DTL) को **EV** चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नोडल एजेंसी बनाया जाएगा। DTC EV चार्जिंग पॉइंट की मांग का आकलन करने के साथ-साथ जगह को भी चिन्हित करेगा। जिससे ग्रिड की तैयारी करके उसे चरणबद्ध तरीके से लगाया जा सके। सरकार सार्वजनिक और सामुदायिक चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पैसा भी आवंटित करेगी, खासकर उन आवासीय क्षेत्रों में जहां निजी चार्जिंग की सुविधा सीमित है। नई **EV** नीति´ **EV** चार्जिंग स्टेशन लगाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाने पर जोर रहेगा।

दिल्ली को जाम से राहत, रिंग रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का पहला चरण पूरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली ;में रिंग रोड पर बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की योजना बनाई गई है। 6 हिस्सों में सर्वे किया जा रहा है, जिससे जाम कम होगा और शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर हो सकेगी।

नई दिल्लीः 66 साल पहले बने दिल्ली के रिंग रोड पर ट्रैफिक 4 गुना से भी अधिक होने के बाद अब इसे जाम फ्री करने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण का प्लान है। रिंग रोड को 6 स्ट्रेच में बांट कर सर्वे किया जा रहा है। एक स्ट्रेच का सर्वे पूरा हो चुका है। यमुना बाजार हनुमान मंदिर से डीएनडी फ्लाईओवर तक करीब 11.5 किमी हिस्से का सर्वे चल रहा है। पहले स्ट्रेच में 2.5 किमी मजनूं के टीला से चंदगीराम अखाड़ा और यमुना बाजार स्ट्रेच का शामिल किया गया था। जिसकी रिपोर्ट भी पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने सरकार को सौंप दी है। दूसरे स्ट्रेच में

आईटीओ, राजघाट और सराय काले खां स्ट्रेच एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण में आने वाली समस्याओं को हल निकालने पर एक्सपर्ट के साथ बातचीत चल रही है।

सरकार के अफसरों के अनुसार, रिंग रोड का निर्माण साल 1960 में किया गया था। तब, इस रोड को प्रतिदिन 1 लाख से 1.10 लाख गाड़ियों के लिए डिजाइन किया गया था। इतने सालों में रिंग रोड पर ट्रैफिक 4 गुना से भी अधिक बढ़ा है। ऐसे में यह प्लान किया गया है कि रिंग रोड के ऊपर ही एलिवेटेड रिंग रोड कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए रिंग रोड को 6 स्ट्रेच में बांटा गया है।

कॉरिडोर कनेक्टिविटी पर मंथन

इस स्ट्रेच में ही राजघाट, दिल्ली सचिवालय, आईटीओ, प्रगति मैदान और सराय काले खां पड़ता है। इसी स्ट्रेच में रिंग रोड- विकास मार्ग पर एक फ्लाईओवर है। इससे थोड़ी दूर पर प्रगति मैदान टनल है। टनल से आगे सराय काले खां के पास फ्लाईओवर है। इन सभी फ्लाईओवर को एलिवेटेड कॉरिडोर से किस तरह से कनेक्ट करना है या इसे एलिवेटेड कॉरिडोर का ही हिस्सा मान लिया जाए, इस पर एक्सपर्ट से बातचीत चल रही है। इस स्ट्रेच में आईटीओ डब्ल्यू पॉइंट का भी सर्वे किया जाएगा, ताकि इस स्ट्रेच को भी जाम फ्री करने का प्लान इसी प्रोजेक्ट में शामिल किया जा सके।

ये है रिंग रोड के 6 स्ट्रेच, जिसका सर्वे किया जाएगा

आजादपुर फ्लाईओयवर (मंडी) हनुमान मंदिर (यमुना बाजार) 9.5 किमी

चंदगीराम अखाड़ा मजनूं का टीला (आउटर रिंग रोड) 2.5 किमी

हनुमान मंदिर (यमुना बाजार) डीएनडी फ्लाईओवर : 11.5 किमी

डीएनडी फ्लाईओयवर मोती बाग मेट्रो स्टेशन 10.5 किमीमोती बाग मेट्रो स्टेशन

अब विदेशों से भी आएगा दान... बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की संस्था को केंद्र सरकार की मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम को अब विदेश से पैसा (दान) लेने की सरकारी मंजूरी मिल गई है. यह मंजूरी भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (FCRA) के तहत दी है. यानी अब बागेश्वर धाम से जुड़ी संस्था विदेश में रहने वाले लोगों से भी कानूनी तरीके से दान ले सकेगी. पहले ऐसा करने के लिए खास अनुमति जरूरी होती थी, जो अब मिल गई है.

धीरेंद्र शास्त्री की देखरेख में काम करने वाली धार्मिक संस्था बागेश्वर जन सेवा समिति ग्राम गड़ा जिला छतरपुर मध्य प्रदेश में स्थित है. यह संस्था धार्मिक (हिंदू), सामाजिक,

शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में काम करती है. अब विदेश से मिलने वाले फंड का उपयोग इन सभी कामों को आगे बढ़ाने में किया जा सकेगा.

बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में हैं. उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं और उनके अनुयायी भारत ही नहीं, विदेशों में भी मौजूद हैं. ऐसे में यह मंजूरी उनके लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है.

हालांकि, इस मंजूरी के साथ कुछ जरूरी नियम भी जुड़े होते हैं. FCRA के तहत जो भी संस्था विदेश से पैसा लेती है, उसे पूरा हिसाब रखना होता है. यानी पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ, इसकी जानकारी सरकार को देनी होती है. साथ ही, एक तय बैंक खाते के जरिए ही यह लेन-देन करना होता है और समय-समय पर रिपोर्ट भी जमा करनी पड़ती है.

संस्था को सभी नियमों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा. इस फैसले से बागेश्वर धाम की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. यह संस्था दान के जरिए मिलने वाले फंड से शिक्षा, सेवा और अन्य योजनाओं पर काम करती है.

पीलीभीत में मिला 3 बीवियों वाला करोड़पति चपरासी! एक को तो हैरान कर देगी ये कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पीलीभीत; यूपी के पीलीभीत जिले से चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. यहां सरकारी दफ्तर में काम करने वाला चपरासी करोड़पति निकला. चपरासी की तीन पत्नियां हैं, जिनमें उसने एक को फर्जीवाड़ा करके शिक्षक बना दिया. एक पत्नी जेल में है. बाकी की जांच-पड़ताल की जा रही है. आरोप है कि उसने 53 खातों के जरिए करोड़ों रुपए का गबन कर डाला. इस पूरे मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक **(DIOS)** ने चपरासी पर एफआईआर दर्ज कराई है. बैंक की तरफ से कलेक्टर को खातों में हो रही हेराफेरी की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद ये पूरी कहानी सामने आई. जिला विद्यालय निरीक्षक के ऑफिस में चपरासी के पद पर तैनात इल्हाम उर्र रहमान शम्सी पर आरोप है कि उसने ट्रेजरी से सरकारी पैसों का गबन किया. इस मामले की शिकायत के बाद जांच की गई. इसमें 53 खातों में संदिग्ध तरीके से लेनदेन पर 5 करोड़ से ज्यादा की राश फ्रीज कराई गई है. यह भी पता चला कि इल्हाम शम्सी ने फर्जी तरीके से सैलरी फंड से गलत बेनिफिशियरी बनाकर 12 नवंबर 2024 से 98 ट्रांजेक्शन के किए. इसमें 1,01,95,135 की राशि अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर कर

दी. इस पूरे मामले में करीब 5 करोड़ से ज्यादा के घोटाले की बात सामने आई है. खाते से कई बिल्डर के नाम भी रकम ट्रांसफर की गई है, उन्हें भी नोटिस जारी किए गए हैं. इल्हाम शम्सी को पहले कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी, लेकिन अब समय पूरा होने के बाद उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. फिलहाल मौजूदा **DIOS** राजीव कुमार ने इस मामले में जिला अधिकारी के आदेश के बाद **FIR** कराई है, जबकि खुद जांच के घेरे में हैं. फरवरी में हुई एफआईआर के बाद पुलिस ने महीनों बाद खुलासा करते हुए नोट जारी कर दिया.

जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार ने कहा कि इल्हाम शम्सी नाम का कर्मचारी साल 2014 से यहां काम कर रहा था, उसने घोटाला किया है, जिसकी एफआईआर दर्ज करा दी है. इस मामले में जांच चल रही है. घोटाला कैसे हुआ, कितने का हुआ, ये सब जांच में आ जाएगा.

वरिष्ठ कोषाधिकारी संजय यादव ने बताया कि ट्रेजरी डिपार्टमेंट से कोई लेना देना नहीं है. हमारे यहां सिर्फ बिल की प्रोसेस की जाती है. ट्रेजरी के पास ऐसा कोई टूल नहीं है, जिससे ये पता लगे कि जिसका नाम है, उसी का खाता है. मेरे पास भी कुछ समय के लिए यहां के साथ-साथ **DIOS** लेखा विभाग का चार्ज भी था. मेरे पास पूरे जिले का काम था. हो सकता है उस समय कोई चूक हो गई हो. ये मामला फरवरी से चर्चा में आया था. जांच बहुत सुस्त थी, लेकिन नए एसपी सुकीर्ति माधव के आने के बाद जांच में तेजी आई. पुलिस ने दो बार पूछताछ के लिए आरोपी इल्हाम को थाने बुलाया.

एसपी सुकीर्ति माधव ने कहा कि डीआईओएस ने एक केस दर्ज कराया था, जिसमें इल्हाम शम्सी, जो उसी विभाग का कर्मचारी है, उसके खिलाफ प्रारंभिक जांच में लगभग 1 करोड़ के आसपास के गबन का मामला सामने आया था. जांच के दौरान अभी तक करीब 50 से ज्यादा खाते सामने आए हैं.

इन खातों में 5 करोड़ 28 लाख रुपए के आसपास की राशि गलत तरीके से बेनिफिशियरी ऐड कर गबन करने किए गए. उस राशि को फ्रीज करा दिया गया है. इसके अलावा और भी खाते हैं, जिनमें पैसा गया. वहां से दूसरों के खाते में गया है. जिन प्रापर्टी को खरीदने में पैसे का इस्तेमाल हुआ, वह राशि भी होल्ड करा दी गई है. एसपी ने कहा कि आरोपी से पूछताछ की गई कि खाते कहां से आए, कैसे पैसा डाला गया. संपत्ति का ब्योरा, कौन-कौन साथी हैं. और कौन-कौन शामिल हैं, किसके माध्यम से यह सब हुआ. कौन है इल्हाम, जिसका बाबू के नाम से चलता है सिक्का मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर बीसलपुर के जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज में इल्हाम चपरासी के पद पर था. साल 2014 में जिला विद्यालय निरीक्षक पीलीभीत मुख्यालय में पोस्टिंग करा ली. इल्हाम शातिर दिमाग था. धीरे-धीरे वह जिलेभर के अधिकारियों का करीबी हो गया. सभी मीटिंग अटेंड करता था. 2018 में सारा काम ऑनलाइन होने लगा. बीती फरवरी को बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर ने जिला अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह को सूचना दी कि छ्ढ्ढह्रस् ऑफिस में लोगों को मोटे ट्रांजेक्शन हो रहे हैं. इसमें सबसे बड़ा ट्रांजेक्शन इल्हाम की पत्नी के खाते में हुआ है, जो संदिग्ध लग रहा है. जिला अधिकारी ने फौरन डीआईओएस राजीव कुमार को तलब किया. आनन-फानन में डीआईओएस ने फरवरी में ही इल्हाम और उसकी पत्नी के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी. जब केस दर्ज हो गया तो कहानी सामने आने लगी. इल्हाम ने अपनी पत्नी अर्शी खातून को फर्जी तरीके से टीचर दिखाया,

दिल्ली में LPG सिलेंडर की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई, 540 ठिकानों पर छापे, 47 FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नईदिल्लीः दिल्ली सरकार ने दावा किया है कि राजधानी में अब LPG सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 540

छापों में 2027 सिलेंडर ज़ब्त किए गए हैं। इस दौरान 47 केस दर्ज किए गए हैं। सरकार के अनुसार वैश्विक कारणों से गैस की किल्लत को देखते हुए कालाबाजारी रोकने के लिए खास टीमें तैनात की गई थीं। ये टीमें गैस गोदाम से लेकर बाजार तक लगातार निगरानी कर रही थीं। खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया था, जिस पर मिली शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई।

अब राजधानी में गैस की बुकिंग और डिलीवरी पूरी तरह सामान्यः सीएम सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि अब राजधानी में गैस की बुकिंग और डिलीवरी पूरी तरह सामान्य हो गई है। दिल्ली में रोज करीब 1.25 लाख LPG सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है, जो सामान्य स्तर के बराबर है। गैस एजेंसियों और बॉटलिंग प्लांट पर पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और अब 4-5 दिन में सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है।ओटीपी आधारित डिलीवरी ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू सरकार ने ओटीपी आधारित डिलीवरी ऑथेंटिकेशन सिस्टम भी लागू किया है, जिससे 90 फीसदी से ज्यादा डिलीवरी का ऑथेंटिकेशन किया जा रहा है। प्रवासी मजदूरों को राहत देने के लिए 5 किलो के छोटे LPG सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए अलग-अलग जिलों में खास कैंप भी लगाए जा रहे हैं। सीएम ने लोगों से अपील की है कि गैस की कमी से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत से ज्यादा सिलेंडर स्टोर करने से बचें।

सतना में बीजेपी पार्षद सुषमा लोधी के बेटे पर रेप का केस दर्ज, युवती से शादी समारोह में हुई थी मुलाकात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्यप्रदेश के सतना जिले में रसूखदार राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले तरुण सिंह लोधी उर्फ मनी के खिलाफ पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोपी वार्ड क्रमांक 28 की भाजपा पार्षद सुषमा लोधी का बेटा है। एक 27 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया है कि तरुण ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए और अब वह दूसरी जगह शादी करने जा रहा है।शादी

समारोहपीड़िता के अनुसार, उसकी मुलाकात अक्टूबर 2024 में एक पारिवारिक विवाह समारोह के दौरान आरोपी तरुण लोधी से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई और तरुण ने उसे शादी का अटूट भरोसा दिलाया। आरोप है कि इसी वादे के जाल में फंसाकर आरोपी ने युवती को होटल में बुलाया और उसके साथ दुराचार किया। यह सिलसिला काफी समय तक चलता रहा।बारात से चार दिन पहले थाने पहुंची पीड़ितामामले में मोड़ तब आया, जब पीड़िता को पता चला कि तरुण उससे संबंध खत्म कर किसी और लड़की से शादी करने जा रहा है। आरोपी का 16 अप्रैल को तिलक और 20 अप्रैल को विवाह तय है। शादी की खबरें सुनकर पीड़िता ने हिम्मत जुटाई और अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। बुधवार शाम को पीड़िता ने सतना के सिविल लाइन थाने पहुंचकर सबूतों के साथ लिखित शिकायत दर्ज कराई। टीआई योगेन्द्र सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी तरुण लोधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी लेकिन वह फरार मिला। मोबाइल लोकेशन खंगालने पर उसकी आखिरी लोकेशन जबलपुर में मिली है, जिसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए रवाना कर दी गई है।उनका कहना है

' सहारनपुर के जयराम गौतम की अनोखी पहल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर ;यूपी के सहारनपुर से एक ऐसी पहल सामने आई है, जो समाज की पुरानी परंपराओं पर सवाल उठाते हुए मानवता की नई मिसाल पेश कर रही है। समाजसेवी जयराम गौतम ने मृत्युभोज जैसी प्रथा का खुलकर विरोध किया है और लोगों से अपील की है कि इस पर खर्च होने वाले पैसे को गरीब और जरूरतमंद

परिवारों की मदद में लगाया जाए। इंटरनेट पर जयराम गौतम की अपील से जुड़े कई वीडियो सामने आए हैं जिनकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।ऐसे ही एक वीडियो में चिता जलती हुई दिख रही है। इस बीच, जयराम गौतम वहां पहुंचते हैं और मरने वाले के दोनों किशोरवय बच्चों को अपने पास बुलाते हैं। वहां उपस्थित लोगों से जयराम गौतम कहते हैं- 'इन बच्चों को नहीं पता कि मृत्युभोज क्या होता है। हमें इस परंपरा को बंद करना चाहिए। यहां जितने भाई मौजूद हैं, सब अपने साथ कफन लेकर आए और चिता पर डाल दिया। आपकी आंखों के सामने सारा कपड़ा जल जा रहा है। इससे किसका क्या फायदा हुआ जितने पैसे का कफन आप लेकर आए, अगर उतने पैसे लिफाफे में डालकर इस परिवार को देते तो इनका भला हो जाता। उस पैसे से ये बच्चे स्कूल की किताब और जूते खरीद सकते थे। गरीब बिटिया के विवाह में मदद मिल सकती थी।'

लोग मृत व्यक्ति के नाम पर चादर चढ़ाने या भोज कराने के बजाय उसी धनराशि से किसी जरूरतमंद की सहायता करें। इससे न सिर्फ किसी पर्यावरण दूषित नहीं होगा बल्कि गरीब का जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव भी आएगा। जयराम गौतम

परिवार को 500 रुपये की दी मदद

जयराम गौतम ने आगे कहा- 'आज यहां जितने लोग यहां मौजूद हैं, सभी लोग कसम खाओ कि किसी की मौत पर कफन लेकर साथ नहीं जाओगे। भोज खाएंगे और ना खिलाएंगे। मैं यहां आपके सामने इन बच्चों को 500 रुपये की मदद कर रहा हूं क्यों मैं किसी की मौत पर कफन लेकर नहीं जाता। आप कफन के पैसे इन बच्चों को दे देते तो कुछ दिन तो इनके घर का खर्च चल जाता।

'मृत्युभोज के चलते सालों तक कर्ज में दबा रहता है परिवार'

NBT ऑनलाइन से हुई बातचीत में जयराम गौतम ने बताया कि जब किसी व्यक्ति का निधन होता है, तो उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है। ऐसे समय में मृत्युभोज का आयोजन करना खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बेहद कठिन हो जाता है। वजह करीब एक से डेढ़ लाख का खर्च ऐसे में कई बार परिवार कर्ज लेकर यह भोज कराता है, जिस कारण वे सालों तक आर्थिक बोझ तले दबे रहते हैं। उनका मानना है कि यह परंपरा सामाजिक दबाव का रूप ले चुकी है, जिसे बदलने की जरूरत है।

भारतीय शिक्षा चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक हैं जयराम गौतम

जयराम गौतम पिछले दो दशकों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। वे भारतीय शिक्षा चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष ओर भाजपा पार्टी से जुड़े हुए सक्रिय कार्यकर्ता हैं और वर्ष 2002 से लगातार समाज सेवा कर रहे हैं। उनके कार्यों में धार्मिक स्थलों का विकास, गरीब बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था, जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी जिसमें हिंदू मुस्लिम सभी शामिल है, और महिलाओं के लिए 50 से अधिक सिलाई केंद्र खोलना शामिल है। खाप पंचायत भी कर चुकी विरोध मृत्युभोज को लेकर गत दिनों महा खाप पंचायतों का भी आयोजन हुआ था जिसमें मृत्यु भोज का जमकर विरोध करते हुए उसे बंद करने की घोषणा भी की थी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार) 17 अप्रैल 2026

फुटपाथ की रोशनी में पढ़कर चमकी 'चांदनी', बढ़ई की टॉपर बेटी को सीएम ने घर बुलाकर दिया सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल: राजधानी की घनी आबादी वाली भीम नगर झुग्गी बस्ती की 18 साल की चांदनी विश्वकर्मा मध्य प्रदेश बोर्ड की 12वीं क्लास की टॉपर बनकर उभरी हैं। उन्होंने कॉमर्स स्ट्रीम में 500 में से 494 अंक हासिल करते हुए शानदार 98.8' स्कोर किया है। उन्होंने कुल 7 लाख छात्रों को पीछे छोड़ते हुए यह शीर्ष स्थान हासिल किया।

नामी कोचिंग सेंटर और साथियों को पछाड़ा

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को पूरे राज्य में खुशी और उत्साह के माहौल के बीच नतीजों की घोषणा की। चांदनी के स्कोर ने बड़े शहरों के नामी कोचिंग सेंटरों से आए अपने काबिल साथियों को भी पीछे छोड़ दिया, जिससे यह साबित हो गया कि सच्ची लगन और मेहनत से विशेषाधिकारों से बनी बाधाओं को भी तोड़ा जा सकता है।

बढ़ई का काम करते हैं पिता

भीम नगर में चांदनी के परिवार के लिए ज़िंदगी एक बहुत ही मुश्किल संघर्ष है। उनके पिता रामभुवन, जो एक दिहाड़ी मज़दूर और बढ़ई हैं, सुबह से ही कड़ी मेहनत करते हैं। उनके हाथों में पड़े कड़े निशान उनकी मेहनत की गवाही देते हैं, जिससे उन्हें बस इतनी ही कमाई हो पाती है कि वे अपनी पत्नी, छोटे बेटे और चांदनी का पेट भर सकें।

फुटपाथ पर बैठकर की पढ़ाई

चांदनी ने बताती हैं कि 'कई रातें मैंने सड़क के किनारे फुटपाथ पर बैठकर, मच्छरों और टिमटिमाते बल्बों की रोशनी में, अकाउंट्स और इकोनॉमिक्स का रिवीजन करते हुए बिताई हैं।' वह यह बात गुरुदेव गुप्ता शिक्षा केंद्र के बाहर बता रही थीं। यह झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए जागरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चलाया जाने वाला एक मुफ्त स्कूल है, जहां चांदनी पढ़ती थीं।

पिता को बनाया प्रेरणा

उन्होंने कहा, 'कोई फीस नहीं, सिर्फ अवसर... यही मेरे स्कूल का मूलमंत्र है। इसी बात ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी। गरीबी हर कदम पर उनका पीछा करती थी। फिर भी चांदनी ने इन बाधाओं को अपनी ताकत बना लिया। वह रोज़ाना 8-9 घंटे पढ़ाई करती थीं, और उनका यह पक्का इरादा किस्मत के खिलाफ एक खामोश विद्रोह जैसा था।
हर शाम मेरे पिता की थकी हुई आंखें मुझसे चीख-चीखकर कहती थीं कि सफल हो जाओ, वरना हम हमेशा के लिए गरीबी के दलदल में डूब जाएंगे।
चांदनी, मध्य प्रदेश बोर्ड, 12वीं टॉपर सीएम ने घर बुलाकर किया सम्मान
मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस होनहार छात्रा को अपने आवास पर बुलाकर सम्मानित किया। उन्होंने चांदनी को 'वंचित युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत' बताया और उन्हें हर संभव सरकारी मदद देने का वादा किया।

9 साल का दूल्हा, 8 साल की दुल्हन... रूक्क में बाल विवाह का केस, माता-पिता सहित पंडित, हलवाई, टेंटवाले पर एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश; के राजगढ़ में बाल विवाह का सनसनीखेज कहानी सामने आई है. यहां 9 साल के बच्चे की शादी 8 साल की बच्ची से करा दी गई. बच्चे को बाकायदा दूल्हा बनाकर घोड़ी चढ़ाया गया और बारात निकाली गई. इस मामले का वीडियो वायरल हुआ तो प्रशासन हरकत में आ गया. जांच-पड़ताल के बाद कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.
खिलचीपुर एसडीओपी धर्मराज नगर ने बताया कि भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बच्चों की शादी की खबर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम, भोजपुर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. जांच में विवाह होने की पुष्टि होने पर बच्चों के माता-पिता, पंडित, घोड़ी वाले, टेंट संचालक सहित शादी में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है.
उधर राजगढ़ में ही करनवास पुलिस थाना इलाके में नौ साल की बच्ची की सगाई करने का मामला भी सामने आया. यहां रिश्तेदारों ने परिवार वालों की जानकारी के बगैर ही उसकी सगाई कर दी थी. 9 साल की बच्ची का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में 26 अप्रैल को सुठालिया में होना था. यहां बच्ची के नाम पर विवाह सम्मेलन की रसीद भी कट गई थी. इस बीच मामले में झगड़े की बात सामने आई तो बच्ची के परिजनों ने प्रशासन को सूचना दी. इस पूरे मामले की जांच की जा रही है.
मध्य प्रदेश के राजगढ़ में बाल विवाह का मामला सामने आया है. यहां आठ साल की बच्ची का विवाह 9 साल के बच्चे के साथ बकायदा रस्मों रिवाज के साथ हुआ. दूल्हा-दुल्हन को मेहंदी लगाई गई. हल्दी की रस्में हुई. बैंड बाजे के साथ शहनाई गूंजी. दूल्हा घोड़ी भी चढ़ा और विवाह की रस्में कराई गई. इस पूरे मामले का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो मामला प्रशासन तक पहुंच गया. टीम मौके पर पहुंची और भोजपुर पुलिस थाने में बाल विवाह का केस दर्ज कर लिया गया.
यह पूरी कहानी राजगढ़ के भोजपुर थाना क्षेत्र की है. यहां 9 साल के बच्चे की बारात एक दूसरे गांव में पहुंची थी. पूरे विधि विधान के साथ शादी संपन्न हुई. इस बाल विवाह की भनक एक दिन पहले प्रशासन को लगी थी और टीम मौके पर पहुंची. उस समय परिवार वालों ने चालाकी दिखाई और प्रशासन की टीम के सामने दूसरे दूल्हे को पेश कर दिया कि इसकी शादी हो रही है. प्रशासन की टीम जब वापस लौट आई तो दूसरे दिन अपने नाबालिग बच्चों की शादी पूरे रीति रिवाज के साथ कर दी गई.
सवाल है कि गांव में सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, चौकीदार सहित आशा कार्यकर्ता को भी इस बात की भनक कैसे नहीं लगी. भोजपुर थाना प्रभारी अजय यादव ने बताया कि इस मामले में महिला एवं बाल विकास अधिकारी संतोष चौहान की सूचना पर बाल विवाह का केस दर्ज किया है.

महाराष्ट्र में विधान परिषद की 9 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान, 12 मई को वोटिंग, कब आएंगे नतीजे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र ; में खाली हो रही विधान परिषद की सीटों के लिए आखिरकार चुनाव का ऐलान कर दिया गया है, जिससे सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की बेचैनी बढ़ गई है। महाराष्ट्र की 9 विधान परिषद सीटों के लिए आवेदन 23 अप्रैल से भरे जाएंगे और मतदान 12 मई को होना तय है। मुंबईः चुनाव आयोग ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधान परिषद में खाली हो रही 9 सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन 9 विधान परिषद सीटों के लिए आवेदन 23 अप्रैल से भरे जा सकेंगे और मतदान 12 मई को होना तय है। वोटों की गिनती मतदान वाले दिन ही शाम 5:00 बजे होगी। यह चुनाव खाली सीटों को भरने के लिए कराया जा रहा है। क्योंकि उद्धव ठाकरे , शशिकांत शिंदे समेत 9 विधायकों का कार्यकाल 13 मई को समाप्त होने वाला है।

कब से होंगे नामांकन?

चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र 23 अप्रैल 2026 से दाखिल किए जा सकेंगे। वहीं नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 है। नामांकन पत्रों की जांच 2 मई को की जाएगी, जबकि 4 मई, 2026 नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन है। विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान 12 मई, 2026 को सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा। इसके बाद वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5:00 बजे शुरू होगी।

किसके पास कितनी सीटें?

इस बीच विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर 9 विधान परिषद सीटों का बंटवारा कुछ इस प्रकार होने की संभावना है। बीजेपी के लिए 5 सीटें। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के लिए 2 सीटें। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के एनसीपी गुट के लिए 1 सीट और 1 सीट महा विकास अघाड़ी गठबंधन के तीन घटक दलों के बीच सामूहिक रूप से साझा की जाएगी।
किन विधायकों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है?
1. उद्धव ठाकरे
2. नीलम गोर्हे
3. शशिकांत शिंदे
4. अमोल मिटकरी
5. गोपीचंद पडलकर

महाराष्ट्र में तबादलों की हलचल, 5 IAS अधिकारियों का ट्रांसफर, 7 दिन पहले 11 आईएएस हुए थे इधर-उधर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: महाराष्ट्र में इन दिनों प्रशासनिक तबादलों का दौर चल रहा है। पिछले 15 दिनों में राज्य में कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इससे पहले 31 मार्च को आईएएस तुकाराम मुंडे सहित कई आईएएस अधिकारियों के तबादले की खबरें सामने आई थीं। उन खबरों के सामने आने के ठीक सात दिन बाद 7 अप्रैल को यह खबर आई कि 11 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। यह फेरबदल यहीं नहीं रुका। एक बार फिर अब पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। इन वरिष्ठ अधिकारियों के ग्रुप में आईएएस डॉ बी.एन. पाटिल, IAS मंगेश जोशी, IAS कुलदीप जंगम, IAS कुशल जैन और IAS रेवय्या डोंगरे शामिल हैं।
किसका कहां हुआ तबादला?
IAS डॉ. बी.एन. पाटिल मुंबई में पर्यटन विभाग के अंतर्गत पर्यटन निदेशक के पद पर कार्यरत थे। इनका तबादला कर उन्हें अब उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विशेष रूप से उन्हें मुंबई स्थित इस विभाग में RUSA (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) परियोजना के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।
IAS मंगेश जोशी
IAS मंगेश जोशी पुणे में यशवंतराव चव्हाण विकास प्रशासन अकादमी के उप महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे। इनका तबादला पर्यटन विभाग में कर दिया गया है। मंगेश जोशी को मुंबई में पर्यटन निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और इस तरह वे इस भूमिका में डॉ बी.एन. पाटिल की जगह लेंगे।
IAS कुलदीप जंगम
सोलापुर जिला परिषद (जिला परिषद) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी IAS कुलदीप जंगम का भी तबादला कर दिया गया है। उन्हें पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है।
IAS अधिकारी कुशल जैन
IAS अधिकारी कुशल जैन अहेरी (गढ़चिरौली जिला) में एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना अधिकारी और सहायक कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे। इनका भी तबादला कर दिया गया है। उन्हें सोलापुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।
IAS रेवय्या डोंगरे
IAS रेवय्या डोंगरे वर्तमान में धाराशिव जिले के भूमि उपखंड में सहायक कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे। इनका तबादला पंढरकवड़ा (यवतमाल जिला) में कर दिया गया है। उन्हें केलारपुर उप-मंडल के लिए ITDP अधिकारी और सहायक कलेक्टर नियुक्त किया गया है।
पहले 11 अधिकारियों का हुआ था तबादला
इससे पहले 7 अप्रैल को 11 IAS अधिकारियों का तबादला किया गया था। इनमें IAS श्वेता सिंघल, ढ्ढस् रुचेश जयवंशी,IAS कन्हू राज बागाटे, IAS लक्ष्मण राउत, IAS गीतांजलि बाविस्कर, IAS डॉ. दिलीप जगदाले, IAS पंकज देवरे, IAS मीनल करणवाल, IAS करिश्मा नायर और IAS अमित रंजन शामिल थे।

जिम ट्रेनर मोंटी बाबा बनकर लगाने लगा दरबार, जिंदा मुर्गा, शराब, सिगरेट का चढ़ावा, अब भक्तों की शिकायत पर अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र में अभी अशोक खरात का केस ठंडा नहीं हुआ था कि मुंबई पुलिस ने अब मोंटी बाबा के ढोंगी तांत्रिक को अरेस्ट किया है। यह संतान प्राप्ति में बाधा रखने वाली महिलाओं को टारगेट करता था है। यह ढोंगी बाबा कुछ समय पहले तक एक जिम ट्रेनर था।

रिदम पंचाल उर्फ मोंटी बाबा को पुलिस ने किया अरेस्ट।

मुंबईः महाराष्ट्र में एक और ढोंगी बाबा का पर्दाफाश हुआ है। मुंबई पुलिस ने जिम ट्रेनर से तांत्रिक बने रिदम पंचाल उर्फ मोंटी बाबा को पकड़ा है। आरोप हैं कि इस ढोंगी मोंटी बाबा ने करीब 60 महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया। दिंडोशी पुलिस ने महिलाओं के शोषण और अघोरी पूजा करने पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह श्रद्धा और विश्वास के नाम पर अंधश्रद्धा का घिनौना काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार यह कुछ समय पहले तक एक सामान्य जिम ट्रेनर था। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि इस ढोंगी बाबा के चंगुल में पढ़े-लिखे लोग भी थे। आधी रात के बाद लगाता था दरबारपुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि यह मोंटी बाबा सूर्यास्त के बाद एक्टिव होता था। वह रात आठ बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक अपना दरबार लगाता था। वह उन महिलाओं को निशाना बनाता था, जिन्हें संतान की प्राप्ति में बाधा आ रही होती थी। वह उपचार के बहाने बकरे का कलेजा, जिंदा मुर्गी, महंगी शराब और सिगरेट जैसी चीजों की मांग करता था। पुलिस के अनुसार मोंटी बाबा भक्तों के सामने सिगरेट का धुआं पीकर छोड़ता था। इस दौरान वह दावा करता था कि उनके शरीर से भूत उतार रहा है। जबकि इसी की आड़ में वह महिलाओं के साथ अश्लील कृत्य को अंजाम देता था। दिंडोशी पुलिस ने बीजेपी नेता एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा के हस्तक्षेप के बाद इस ढोंगी बाबा को जब अरेस्ट किया तो उसकी पोल खुल गई।

मलाड के खाली प्लॉट में दरबार

पुलिस की जांच में सामने आया है कि रिदम पंचाल उर्फ मोंटी बाबा मलाड के एक खाली प्लॉट से अपना काम चलाता था और हर गुरुवार और शनिवार को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक 'दरबार' लगाता था। उसने दावा किया कि उस पर एक देवी का साया है और उसने दर्जनों महिलाओं को बच्चे पैदा करने में मदद करने के बहाने अपने जाल में फंसाया।

कैसे हुआ इस ढोंगी बाबा पर शक

इस पूरे मामले में जिस बात ने लोगों का ध्यान खींचा। वह थी मोंटी बाबा के तौर-तरीके। वह भूतों को भगाने के लिए मुंह में जलती हुई सिगरेट रखकर 'अघोरी' अनुष्ठान करता था। महंगी शराब, सिगरेट और जानवरों के कलेजे की उसकी मांगों ने कुछ भक्तों और स्थानीय लोगों के मन में शक पैदा कर दिया। जब उसके कुछ अनुयायियों ने उसके रीति-रिवाजों पर सवाल उठाना शुरू किया या पैसे और सामान की उसकी मांगों को पूरा करने में असमर्थ रहे, तो उसने कथित तौर पर उनके घरों पर गुंडों को भेजा ताकि उन्हें धमकाया गया। इस वजह से पीड़ितों को बाहर से मदद लेनी पड़ी, लेकिन बीजेपी नेता एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा का सहयोग मिलने के बाद लोगों ने बाबा का भंडाफोड़ कर दिया।

50 लाख रुपये की फिरौती के लिए कारोबारी का अपहरण, खराड़ी पुलिस ने फिल्मी अंदाज में 5 को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

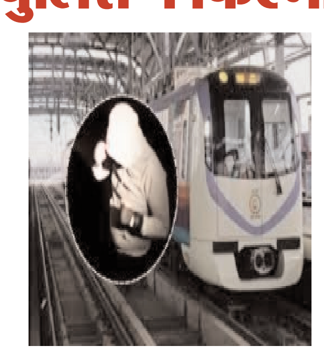

पुणे; में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इसमें 50 लाख रुपये की फिरौती के लिए एक मेट्रो कॉन्ट्रैक्टर का अपहरण कर लिया गया। स्टोन क्रशर प्लांट दिखाने के बहाने एक जान-पहचान वाले व्यक्ति ने कारोबारी को एक जगह बुलाया, उसे एक शिपिंग कंटेनर के अंदर बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम कर रहे एक ठेकेदार का दिन-दहाड़े अपहरण कर लिया गया। उसे एक स्टोन क्रशर प्लांट दिखाने के बहाने बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। 50 लाख रुपये से जुड़े एक पुराने विवाद के चलते पांच लोगों ने उस कारोबारी को एक शिपिंग कंटेनर के अंदर बंद कर दिया। उसके साथ मारपीट की और उसके पिता से फिरौती की मांग की। हालांकि साहस दिखाते हुए और अपनी जान की परवाह न करते हुए खराड़ी पुलिस ने अहिल्यानगर रोड पर फिल्मी अंदाज में पीछा किया। नाकाबंदी करके कारोबारी को अपराधियों के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया और सभी पांचों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने फिलहाल शहर में भारी हलचल मचा दी है। आरोपी गिरफ्तार इस मामले के संबंध में सागर दत्तात्रेय जुरुंगे (39), विजय सुरेश वालुंज (38), राजू विजयकुमार सहाणे (32), रूपेश शिवाजी गावड़े (38–सभी लोणीकंद के निवासी) और प्रकाश बालासाहेब राउत (34–तुलापुर का निवासी) को हिरासत में ले लिया गया है।

अपहरणकर्ताओं से पहले की जान-पहचान
इस मामले में गहुंजे में रहने वाले 40 वर्षीय एक कारोबारी ने शिकायत दर्ज कराई है। यह कारोबारी मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए सिविल कार्यों में लगा हुआ है। उसकी आरोपी जुरुंगे से पहले से ही जान-पहचान थी। जुरुंगे स्टोन क्रशर के लिए सामग्री की सप्लाई करता था और उसके लगभग 50 लाख रुपये का भुगतान बकाया था।
उस दिन असल में क्या हुआ था?
13 अप्रैल को जुरुंगे ने कारोबारी को फोन किया और कहा कि मुझे काम से जुड़े कुछ मामलों पर बात करनी है। इसके अनुसार, दोनों 14 अप्रैल को खराड़ी के एक ईरानी कैफे में मिले। उन्होंने कुछ देर बातचीत की, जिसके बाद आरोपी ने उससे अपनी गाड़ी में बैठने को कहा, यह कहते हुए कि चलो, चलकर क्रशर प्लांट देख लेते हैं। खतरनाक योजना गाड़ी को खराड़ी टोल नाके के पास ले जाया गया। उस जगह पर पहुंचने पर कारोबारी को एक शिपिंग कंटेनर के अंदर ले जाया गया। उस जगह पर पहले से ही कई लोग इंतजार कर रहे थे। अचानक माहौल बदल गया और एक धमकी दी गई कि मेरे 50 लाख आज ही दे दो, वरना मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा। उनके मोबाइल फोन बंद कर दिए गए और उनके साथ मारपीट की गई।
'तुम्हारा बेटा हमारी हिरासत में है'
इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जबरदस्ती वापस कार में बिठा दिया। फिर उन्हें पुणे-अहिल्यानगर रास्ते से होते हुए रांजणगांव की ओर ले जाया गया। रास्ते में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश में गाड़ी बदल दी गई और उन्हें दूसरी कार में शिफ्ट कर दिया गया। इसी बीच आरोपियों ने व्यापारी के पिता को फोन किया और एक सख्त चेतावनी दीक जब तक हमें 50 लाख नहीं मिल जाते, हम तुम्हारे बेटे को रिहा नहीं करेंगे। पिता तुरंत पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस की कार्रवाईः एक फिल्मी ऑपरेशन तेजी से कार्रवाई करते हुए खराड़ी पुलिस ने संदिग्ध गाड़ी का पता लगा लिया। अहिल्यानगर रोड पर विजय स्तंभ के पास एक नाकाबंदी की गई और कार को रोक लिया गया।

पेंच टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पेंच टाइगर रिजर्व के भीतर 13 अप्रैल 2026 को नाहरझिर निवनासी 30 वर्षीय दिनेश सेवतकर का क्षत-विक्षत शव मिला था। इस मौत ने वन विभाग और पुलिस के बीच बहस छेड़ दी है। मैदानी अमला इसे बाघ का हमला बता रहा है, लेकिन शव का ज्यों का त्यों छोड़ देना और गर्दन की चोट की प्रकृति अब इसे हत्या की थ्योरी की ओर घुमा रही है। अधिकारियों ने फॉरेंसिक जांच की मांग की है ताकि सच सामने आ सके।
क्यों उठ रहे हैं सवाल?
आमतौर पर जब बाघ इंसान पर हमला करता है, तो वह शिकार का कुछ हिस्सा खाता है। लेकिन दिनेश के मामले में शरीर को खाया नहीं गया था। कुछ अधिकारियों का तर्क है कि बाघ अक्सर क्षेत्रीय वर्चस्व या अचानक सामने आने पर बचाव में हमला करता है और छोड़ देता है। वहीं, एक सेवानिवृत्त ढ्ढपत्रिकास्र अधिकारी ने सवाल उठाया है कि हर बार बाघ को ही दोष क्यों दिया जाए? गर्दन की चोट किसी हथियार की भी हो सकती है।

बाघ के जबड़े में 1000 PSI की ताकत

विशेषज्ञों के अनुसार, एक वयस्क बाघ के जबड़े में 1000 PSI से अधिक का दबाव होता है, जो पल भर में हड्डियां चटका सकता है। दिनेश की गर्दन पर मिली चोट और उसकी गंभीरता ही इस जांच का मुख्य बिंदु है। क्या यह चोट बाघ के दांतों की है या किसी कुल्हाड़ी या धारदार हथियार की?
हर जंगली मौत को बाघ के मत्थे मढ़ना आसान है, लेकिन साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच जरूरी है ताकि किसी वास्तविक अपराधी को बाघ की आड़ में छिपने का मौका न मिले।

कोर एरिया में घुसपैठ ही काल बनी?

जानकारी के मुताबिक, दिनेश मानसिक रूप से अस्वस्थ था और वह प्रतिबंधित कोर एरिया में कैसे पहुंचा, यह एक बड़ा सुरक्षा चूक का मामला है। 14 अप्रैल को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, गश्ती दल को पहले शेरगढ़ा जल स्रोत के पास पत्थर पर खून के धब्बे मिले थे। शव वहां से 150 मीटर दूर मिला।

हेलिकॉप्टर राइड के नाम पर महिला से 54 हजार की ठगी, इंस्टाग्राम पर मिला था मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र के ठाणे में एक महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई. केदारनाथ और बद्रीनाथ यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर बुकिंग कराने के चक्कर में उससे 54 हजार रुपये ठग लिए गए. पुलिस ने मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के मामलों में लोग सोशल मीडिया पर आने वाले अनजान ऑफर्स से सावधान रहें और किसी भी तरह का भुगतान करने से पहले सेवा की पुष्टि जरूर करें. मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला हाल ही में केदारनाथ यात्रा से जुड़ी जानकारी इंटरनेट पर सर्च कर रही थी. इसी दौरान उसे इंस्टाग्राम पर एक मैसेज मिला, जिसमें केदारनाथ और बद्रीनाथ के लिए हेलिकॉप्टर राइड मुहैया कराने का दावा किया गया था. मैसेज में दिए गए नंबर पर संपर्क करने के बाद महिला की बात एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को टूर ऑपरेटर बताया. उसने महिला को भरोसा दिलाया कि वह यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर बुकिंग कर सकता है, लेकिन इसके लिए कुल राशि का 50 प्रतिशत एडवांस देना होगा. आरोपी की बातों में आकर महिला ने 54,000 रुपये एक बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए. यह खाता हिमालया टूर के नाम से देहरादून स्थित बैंक में बताया गया था. पैसे ट्रांसफर करने के बाद आरोपी ने न तो बुकिंग कन्फर्म की और न ही महिला के कॉल या मैसेज का जवाब दिया. जब महिला को ठगी का एहसास हुआ, तो उसने तुरंत पुलिस से पूरे मामले की शिकायत की. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि धार्मिक यात्रा या टूर पैकेज बुक करते समय केवल आधिकारिक वेबसाइट या विश्वसनीय एजेंसियों का ही सहारा लें. सोशल मीडिया पर मिलने वाले ऑफर्स पर बिना जांच के भरोसा करना भारी पड़ सकता है.

नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में 100% महिला आरक्षण पर रोक,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर बनने का सपना देख रहे पुरुष अभ्यर्थियों के लिए यह बड़ी खबर है। जबलपुर हाईकोर्ट की जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने बुधवार को नर्सिंग ऑफिसर भर्ती विज्ञापन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पुरुष अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने का अंतरिम आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल जेंडर के आधार पर किसी को सार्वजनिक रोजगार से वंचित करना संविधान के विरुद्ध है।

क्या था पूरा विवाद?

कर्मचारी चयन मंडल ने हाल ही में नर्सिंग ऑफिसर एवं सिस्टर ट्यूटर भर्ती परीक्षा-2026 का विज्ञापन जारी किया था। इसमें नर्सिंग ऑफिसर के पदों को 100 प्रतिशत केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिया गया। संतोष कुमार लोधी और अन्य पुरुष अभ्यर्थियों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। उनकी दलील थी कि जब पुरुष और महिला दोनों एक ही पाठ्यक्रम (B.Sc. Nursing/GNM) पढ़ते हैं और उनके पास समान रजिस्ट्रेशन है, तो भर्ती में भेदभाव क्यों?
योग्यता जेंडर नहीं देखती। जब पाठ्यक्रम और रजिस्ट्रेशन एक है, तो केवल पुरुष होने के नाते किसी को नौकरी से बाहर रखना लोकतंत्र और संविधान का मजाक है। याचिकाकर्ता पक्ष के वकील

नियमों के मुताबिक कोई प्रतिबंध नहीं

इस मामले में सबसे रोचक बात यह है कि मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा सेवा भर्ती नियम 2023 में नर्सिंग ऑफिसर के लिए कोई जेंडर आधारित प्रतिबंध नहीं है। इसके बावजूद विज्ञापन में 100' महिला आरक्षण देना सरकार की एक बड़ी प्रशासनिक चूक नजर आती है। वकील विशाल बघेल ने कोर्ट में अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 16 (रोजगार में अवसर की समानता) का जो तर्क दिया, उसने सरकार की घेराबंदी कर दी। हाईकोर्ट का यह आदेश एक नजीर बनेगा, क्योंकि आने वाले समय में अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में भी पुरुष अपनी भागीदारी के लिए इसी फैसले का सहारा लेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू 27 अप्रैल को आएंगी हिमाचल : शिमला, अटल टनल और पालमपुर का दौरा तय

शिमला (एजेंसी)। देश की पहली नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 अप्रैल से छह दिन के दौरे पर हिमाचल प्रदेश पहुंच रही हैं। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर यूनिवर्सिटी जाएंगी। राष्ट्रपति 27 अप्रैल को दिल्ली से चंडीगढ़ और वहां से सीधे शिमला के कल्याणी हेलिपेड पर उतरेंगी। वह दोपहर करीब 12:15 बजे शिमला पहुंचेंगी और राष्ट्रपति निवास रिट्रीट (छराबड़ा) में ठहरेंगी। 28 की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी। 29 अप्रैल को राष्ट्रपति शिमला से अटल टनल रोहतांग जाएंगी, जहां वे सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद शाम को वे वापस छराबड़ा स्थित रिट्रीट लौटेंगी। इसके बाद 30 को राष्ट्रपति पालमपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में भाग लेकर शाम को शिमला वापस लौटेंगी। 1 मई को शिमला में 'एट होम' कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहने वाले है। 2 मई को राष्ट्रपति मुर्मू दिल्ली लौट जाएंगी। बता दें कि शिमला से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित छराबड़ा में राष्ट्रपति निवास रिट्रीट है। परंपरागत रूप से राष्ट्रपति यहां ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ठहरते हैं। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी दो बार शिमला का दौरा कर चुकी हैं। राष्ट्रपति के दौरे की पुष्टि होते ही प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

अगले दो दिन में देश में तेज गर्मी और लू की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और दक्षिणी हिस्से में तेज गर्मी पड़ रही है। बीते 2 दिन से राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और महाराष्ट्र में पारा 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अचानक गर्मी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना है। ऐसा मौसम 20 अप्रैल तक रहेगा, जिसके कारण पश्चिमी, मध्य और दक्षिण भारत में भीषण गर्मी पड़ेगी। गर्मी के असर से बच्चों को बचाने के लिए महाराष्ट्र के वर्धा में सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गंगा से सटे बंगाल और नगालैंड में आज बिजली गिरने के साथ आंधी-बारिश होने का अनुमान है। जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी, पंजाब और हरियाणा में बारिश हो सकती है। जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। 17 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में बर्फबारी के साथ ओले गिरने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लू चलेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान और झारखंड में भी हीटवेव की शुरुआत हो सकती है। वहीं 18 अप्रैल को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव की चेतावनी है। वहीं गुजरात, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है।

ममता का चुनाव आयोग को खत.... उनके नेताओं की गाड़ियों की जांच हो रही

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच टीएमसी ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर कहा है कि उसके नेताओं को निशाना बनाकर उनकी गाड़ियों की जांच हो रही है। सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि कोलकाता एयरपोर्ट जाते समय केंद्रीय बलों ने उनकी गाड़ी की जांच करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है, तब रोज मेरी गाड़ी चेक करें। एक चुनावी रैली को संबोधित कर ममता ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री-गृहमंत्री की कार की जांच क्यों नहीं होती? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री पैसा लेकर आते हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में मातृशक्ति भरोसा कार्ड लांच किया। बंगाल में सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर माह 3,000 देने का वादा किया गया है। कार्यक्रम में सुवेंदु अधिकारी और स्मृति ईरानी मौजूद रहीं। बंगाल में दो फेज में वोटिंग होगी। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने मोदी सरकार की रणनीति को 'राजनीतिक नोटबंदी' करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि वह प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण कर रही है, ताकि उन क्षेत्रों में सीटों की संख्या बढ़ाई जा सके जहां बीजेपी पहले से मजबूत स्थिति में है। कांग्रेस नेता थरूर ने इस रणनीति को 'राजनीतिक नोटबंदी' करार दिया, यह संकेत देकर कि इससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित होगा। थरूर के अनुसार, प्रक्रिया का परिणाम यह होगा कि उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा जहां सत्तारूढ़ दल अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित प्रयास है, जिसके तहत कमजोर क्षेत्रों की राजनीतिक शक्ति घटाने और मजबूत क्षेत्रों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उनका मानना है कि यदि मोदी सरकार का वास्तविक उद्देश्य महिला सशक्तिकरण होता, तब वह बिना किसी देरी के महिला आरक्षण को लागू कर सकती थी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला आरक्षण को आगामी चुनाव से ही लागू किया जा सकता है, बशर्ते राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। थरूर ने कहा कि विपक्ष विधेयक का समर्थन करने के लिए तैयार है, लेकिन इस बिल को परिसीमन से जोड़ना उचित नहीं है कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़ने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल महिला आरक्षण के पक्ष में हैं और 2023 में पारित प्रस्ताव का समर्थन करते हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए संवैधानिक ढांचे को कमजोर करने के प्रयास का विरोध किया जाएगा।

केरल में नतीजों से पहले ही कांग्रेस के यूडीएफ गठबंधन में सीएम पद को लेकर खींचतान शुरू

तिरुवंतनमपुरम, (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के भीतर मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान तेज हुई है। 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को हो चुका है और 4 मई को परिणाम आने हैं, लेकिन उससे पहले ही संभावित जीत को लेकर पार्टी के भीतर सीएम चेहरे पर बहस खुलकर सामने आ गई है। जो चर्चा पहले केवल अंदरूनी स्तर पर जारी थी, वहां अब सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया तक पहुंच चुकी है। विभिन्न नेताओं के समर्थन में ऑनलाइन अभियान चलाए जा रहे हैं और टीवी चैनलों पर इस मुद्दे को प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ता भी खुलकर अपने-अपने पसंदीदा नेताओं का समर्थन कर रहे हैं, जिससे गुटबाजी और अधिक स्पष्ट हो गई है। इस बहस में मुख्य रूप से वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम सुर्खियों में हैं। वेणुगोपाल के समर्थक उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ और राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के रूप में दिखा रहे हैं। उनका दावा है कि वे सभी गुटों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखते हैं। वहीं, सतीशन को युवा और आक्रामक नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है। उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने विपक्षी गठबंधन को वाम सरकार के खिलाफ मजबूत बनाया है। दूसरी ओर, चेन्निथला के समर्थक उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और वरिष्ठता को उनकी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं और उन्हें स्वाभाविक मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताते हैं। हालांकि, इस तरह की सार्वजनिक खींचतान ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी है। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने किसी मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नहीं की थी और यह फैसला चुनाव बाद हाईकमान पर छोड़ दिया गया था। लेकिन मतदान समाप्त होते ही विभिन्न गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली स्थित पार्टी नेतृत्व इस स्थिति से असंतुष्ट है और उसने साफ किया है कि मुख्यमंत्री पद पर अंतिम निर्णय तय प्रक्रिया के तहत ही लिया जाएगा। हाईकमान का मानना है कि इस तरह की सार्वजनिक बयानबाजी और सोशल मीडिया अभियान से पार्टी की एकता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है और मतदाताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है।

इस बीच वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने विवाद पर नाराजगी जताकर कहा है कि इस समय ऐसी बहस उचित नहीं है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री चयन की एक निर्धारित प्रक्रिया है, जो समय आने पर लागू होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही कई गतिविधियां फर्जी खातों के जरिए संचालित हो सकती हैं। केरल में कांग्रेस के समर्थन वाले गठबंधन में सीएम को लेकर चर्चा उस कहावत को चरितार्थ करती हैं कि गांव बसा नहीं.........और लूटरे पहले आ गए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून पर औवेसी... ये देश के संघीय ढांचे को नष्ट करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के कार्यान्वयन से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को लेकर केंद्र की आलोचना कर कहा कि इससे भारत की संघीय संरचना कमजोर होगी। लोकसभा के विशेष सत्र में बिल पर चर्चा के दौरान एआईएमआईएम प्रमुख औवेसी ने कहा कि ये विधेयक देश के संघीय ढांचे को नष्ट करेगा। मैं इन विधेयकों के प्रस्तुत किए जाने का कड़ा विरोध करता हूं। उन्होंने साहिर लुधियानवी का एक शेर पढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा, एक शहंशाह ने बनवा कर हसीन ताजमहल, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून को लागू करने के उद्देश्य से 3 संशोधन विधेयकों पर चर्चा के साथ शुरू हुआ, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। सप्ताह के आरंभ में, केंद्र ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा प्रसारित किया, जिसमें महिला आरक्षण ढांचे में बदलाव प्रस्तावित हैं। इस विधेयक के तहत लोकसभा की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी शामिल होगा। इस प्रस्ताव के तहत, राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम 815 सदस्य सीधे निर्वाचित होने हैं, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सदस्य ही संसद द्वारा निर्धारित तरीके से चुने जाएंगे। मोदी सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया।

फीते का रंग तिरंगे की तरह देख उमर अब्दुल्ला ने काटने से किया इनकार

-तिरंगा के प्रति सम्मान देख बीजेपी व लोग कर रहे सीएम उमर की तारीफ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर मे सीएम उमर अब्दुल्ला का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति दिखाया गया सम्मान पूरे देश को एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश दे रहा है। श्रीनगर में घटी घटना ने यह साफ कर दिया है कि तिरंगा के प्रति सम्मान किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर होता है और यही भावना देश की एकता को मजबूत करती है।

बता दें बुधवार को जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला श्रीनगर के कश्मीर हाट में हस्तशिल्प विभाग के एक कार्यक्रम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम अपने कारीगरों को जानो नाम से आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य स्थानीय कारीगरों और उनकी कला को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जब उद्घाटन के लिए उनके सामने फीता लाया गया, तो उन्होंने देखा कि उस फीते के रंग तिरंगे जैसे थे। यह देखते ही उन्होंने तुरंत उसे काटने से इनकार कर दिया और कहा कि इसे नहीं काटा जा सकता। सीएमए ने अपने डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी की ओर देखते हुए भी यही बात दोहराई, जिस पर सुरिंदर चौधरी ने भी सहमति जताई। इसके बाद दोनों नेताओं ने फीते को काटने की बजाय उसे सावधानीपूर्वक खोलने का सुझाव दिया। उन्होंने फीते को आयोजकों को वापस सौंपते हुए कहा कि इसे सम्मानपूर्वक रखा जाए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद उमर अब्दुल्ला की देश भर में जमकर तारीफ हो रही है। इस घटना पर बीजेपी ने भी उमर अब्दुल्ला के इस कदम की जमकर तारीफ की। जम्मू-कश्मीर बीजेपी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि उद्घाटन के लिए राष्ट्रीय ध्वज जैसे रंगों वाले फीते का इस्तेमाल करना गंभीर लापरवाही और समझ की कमी को दर्शाता है। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों ने इस प्रकार की व्यवस्था की, उनकी पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई न जाएं। उधर, सोशल मीडिया पर भी उमर अब्दुल्ला की इस संवेदनशीलता की व्यापक सराहना हो रही है। लोग इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं और मान रहे हैं कि यह घटना यह दर्शाती है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान सभी के लिए सर्वोपरि होना चाहिए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं पुतिन... दिसंबर तक पीएम मोदी जा सकते हैं मास्को

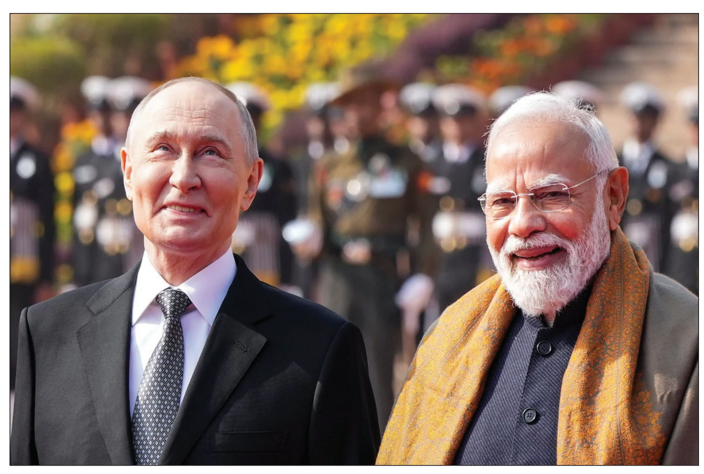

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और रूस के संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस वर्ष सितंबर में भारत आ सकते है। यदि यह दौरा होता है, तब यह नौ महीनों के भीतर उनका दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वे दिसंबर 2025 में वार्षिक भारत रूस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

बता दें कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है और इस कड़ी में सितंबर में शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा मई में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी भारत में आयोजित होगी, इसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के भाग लेने की उम्मीद है। यह बैठक तब हो रही है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है और भारत इस मुद्दे पर ब्रिक्स देशों के बीच एक साझा रुख बनाने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी ओर, ऊर्जा क्षेत्र में भी हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदने के लिए दी गई छूट को आगे नहीं बढ़ाएगा। इससे भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। पहले छूट के कारण भारतीय रिफाइनर सस्ते दाम पर रूसी तेल खरीद पा रहे थे, लेकिन अब आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। बताया गया है कि अस्थायी छूट के दौरान भारतीय कंपनियों ने लगभग तीन करोड़ बैरल रूसी तेल का ऑर्डर दिया था। वैसे भारत और रूस के संबंध केवल ऊर्जा या रक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक और बहुआयामी साझेदारी है। हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दोनों देशों के विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए एजेंडा पर चर्चा की थी। इस दौरान वैश्विक आर्थिक बदलाव, पश्चिम एशिया की स्थिति और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रहे थे। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी मित्रता समानता, आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित है। आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2025 में द्विपक्षीय व्यापार करीब साठ अरब डॉलर तक पहुंच गया और लक्ष्य है कि 2030 तक सौ अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए। इसके लिए परिवहन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में नए प्रयास किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा और उत्तरी समुद्री मार्ग जैसे प्रकल्प इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

इसके अलावा दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और जी बीस जैसे मंचों पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने के लिए भारत और रूस समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। दोनों देश अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के पालन पर जोर देते हैं।

बता दें कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे की भी संभावना है, जिससे दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद और मजबूत होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि पुतिन का संभावित भारत दौरा और मोदी की प्रस्तावित रूस यात्रा इस साझेदारी को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

झारखंड में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया तेज, घर-घर जाएंगे बीएलओ लगाएं स्टीकर

राज्य मुख्य चुनाव पदाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के एसआइआर शुरू होने से पहले प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अब तक इन तैयारियों की समीक्षा वर्चुअल बैठकों के जरिए से की जा रही थी, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद अब जिलों में जाकर भौतिक निरीक्षण शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना और संभावित कमियों को दूर करना है। राज्य के मुख्य चुनाव पदाधिकारी ने जमशेदपुर का दौरा कर जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सटीक और समावेशी होनी चाहिए। वे आगामी दिनों में अन्य जिलों का भी दौरा कर तैयारियों का जायजा लेंगे। एसआइआर की तिथि को लेकर फिलहाल आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, हालांकि निर्वाचन विभाग के अधिकारियों को अप्रैल के पहले या दूसरे सप्ताह में इसकी घोषणा की उम्मीद थी। अब तक तिथि घोषित नहीं होने से प्रशासनिक स्तर पर थोड़ी अनिश्चितता बनी हुई है। अधिकारियों का मानना है कि भारत निर्वाचन आयोग कभी भी इसकी घोषणा कर सकता है। बंगाल और असम विधानसभा चुनाव के परिणाम चार मई को घोषित होने हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इन चुनावों के बाद मई माह में ही झारखंड में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

निर्वाचन आयोग इस बार विशेष रूप से इस बात पर ध्यान दे रहा है कि एक ही परिवार के सभी योग्य मतदाताओं के नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज हों। वर्तमान में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग बूथों पर पंजीकृत हैं, जिससे मतदान के दौरान असुविधा होती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा बैठकों में इस विसंगति को दूर करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को कहा गया है कि वे ऐसे मामलों की पहचान कर आवश्यक सुधार करें, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाता सूची में कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए, इसके लिए बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन का जिम्मा सौंपा है। इस दौरान बीएलओ द्वारा प्रत्येक घर पर अपनी जानकारी वाला स्टीकर भी चिपकाया जा रहा है, जिससे संबंधित बूथ की पहचान और संपर्क आसान हो सके। बीएलओ घरों का सर्वे करते हुए एक रजिस्टर में परिवार के सभी मतदाताओं और उनके मुखिया का विवरण दर्ज कर रहे हैं। जिन घरों के पास पहले से कोई आधिकारिक मकान संख्या नहीं है, उन्हें भी एक अस्थायी नंबर प्रदान किया जा रहा है ताकि डेटा का व्यवस्थित संकलन हो सके।

संसद में प्रतिनिधित्व कम हुआ तो लोगों में फैलेगा असंतोष, विरोध में सड़कों पर उतरेंगे

-तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कविता ने परिसीमन को लेकर केंद्र को दी चेतावनी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता प्रस्तावित नई राजनीतिक पार्टी के लॉन्च से पहले धार्मिक आस्था के तहत वाराणसी के लिए रवाना हुईं। वह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। रवाना होने से पहले हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कविता ने महिला आरक्षण बिल और प्रस्तावित परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संसद में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करीब 3.13 फीसदी है और परिसीमन के बाद भी यही प्रतिशत राज्य के लिए आधार रेखा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि यह हिस्सा कम किया जाता है तो राज्य के लोगों में असंतोष बढ़ेगा और वे विरोध के लिए सड़कों पर उतर सकते हैं। कविता ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी सीट बढ़ोतरी के मॉडल पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह प्रस्ताव उचित लगता है लेकिन जब अन्य राज्यों के मुकाबले तेलंगाना को मिलने वाली हिस्सेदारी का आकलन किया जाता है, तो अंतर बड़ा नजर आता है। उन्होंने साफ कहा कि दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ किसी भी प्रकार का असंतुलन स्वीकार्य नहीं होगा और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व तय किया जाना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल को परिसीमन से जोड़ने के मुद्दे पर भी उन्होंने कड़ा विरोध जताया। कविता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार दोनों मुद्दों को आपस में जोड़ रही है, जबकि महिला आरक्षण को स्वतंत्र रूप से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जोड़ा जाए ताकि महिलाओं के अंदर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके।

कविता ने महिला आरक्षण में पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं के लिए उप-कोटा की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि 33 फीसदी आरक्षण के भीतर पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं को उनका उचित हिस्सा मिलना बहुत जरूरी है। उनके मुताबिक, मौजूदा स्थिति में इन विधेयकों को लेकर भ्रम बना हुआ है लेकिन सरकार को स्पष्ट नीति बनाते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना चाहिए।

चीन की चाल ! भारत का नाम लेकर कहा अरुणाचल प्रदेश अवैध, वह हमारी जगह

-जांगनान क्षेत्रों के नाम रखने का अधिकार हमारे पास, भारत ने दावे को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन में फिर तनाव बढ़ सकता हैं क्योंकि चीन के विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश को तथाकथित करार दिया है। साथ ही कहा कि इसे भारत ने अवैध रूप से स्थापित किया है। चीन का दावा है कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नाम रखने का अधिकार हमारे पास है। खास बात है कि भारत ने चीन की तरफ से भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नाम रखने की कोशिशों को रविवार को खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश पर दावे की बात कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि जांगनान चीचन का इलाका है और उसने भारत की तरफ से अवैध रूप से बनाए गए तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जांगनान के इलाकों के नामों को अपने हिसाब से बदलना उसका अधिकार है।

चीन की तरफ से अरुणाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों के नए नाम प्रकाशित करने के बाद भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है। साथ ही कहा था कि इस तरह की कोशिशें द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं।

चीनी प्रवक्ता जियाकुन ने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध स्थिर हैं। चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए चीन की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष एक ही दिशा में काम करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के लिए ज्यादा अनुकूल कदम उठाएंगे। चीन 2017 से अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने नाम प्रकाशित करता रहा है, जिस पर भारत लगातार आपत्ति जताता रहा है। जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है।

चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र ने 26 मार्च को सेनलिंग काउंटी के गठन की घोषणा की, जो पीओके और अफगानिस्तान के पास स्थित एक रणनीतिक क्षेत्र है। यह वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी के पश्चिमी क्षेत्र के भी पास है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थित सेनलिंग, मुख्य रूप से मुस्लिम उइगुर बहुल क्षेत्र शिनजियांग में चीन द्वारा स्थापित तीसरा नया काउंटी है। भारत ने पिछले साल हेआन और हेकांग काउंटी के गठन को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराते हुए कहा था कि उनके अधिकार क्षेत्र का कुछ हिस्सा उसके केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के अंतर्गत आता है।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

निवेशकों ने कमाया 9 लाख करोड़

मुंबई।

शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। यही शेयर बाजार निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स्-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूस्ष्ट्ढ का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढ़कर छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स्×क्क 500 1.2 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो

पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

भारत के फार्मा मार्केट में किंग बनी डॉ. रेड्डीज..दूसरे पायदान पर सन फार्मा

भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की

मुंबई,।

भारत का दवा बाजार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह ग्रोथ 9.9 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में बाजार ने 11.6 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी। कुल मिलाकर बाजार का आकार करीब 211 अरब रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेक्टर की मजबूत स्थिति को दिखाता है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उन दवाओं का हैं, जो लंबी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। क्रॉनिक थैरेपी की दवाएं मार्च में करीब 14 प्रतिशत बढ़ीं। इसके मुकाबले एक्यूट बीमारियों की दवाएं सिर्फ 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी। खासकर एंटी-इंफेक्टिव और सांस से जुड़ी दवाओं की कमजोर मांग ने दवा सेंगमेंट को पीछे खींच लिया। बाजार का बड़ा हिस्सा अभी भी एक्यूट दवाओं का है, लेकिन उनकी धीमी चाल अब साफ नजर आने लगी है।दिलचस्प बात यह है कि बाजार की कमाई बढ़ने के बावजूद दवाओं की असली मांग में गिरावट देखी गई। कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं और लगातार नई दवाएं लांच कीं, जिससे कुल रेवेन्यू में इजाफा हुआ। लेकिन वॉल्यूम के लिहाज से बिक्री 0.2 प्रतिशत घट गई। यानी लोग दवाएं कम खरीद रहे हैं, पर महंगी दवाओं और नए प्रोडक्ट्स की वजह से कंपनियों की कमाई बढ़ रही है। मार्च 2026 में बाजार में एक बड़ा मोड़ आया जब सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाएं लांच हुईं। ये वहीं दवा है जो डायबिटीज और वजन घटाने के इलाज में इस्तेमाल होती है। हैरानी की बात यह हैं कि लांच के सिर्फ 11 दिनों के भीतर ही इन सस्ती दवाओं ने नोवो नॉर्डिस्क जैसी बड़ी कंपनी की ब्रांडेड दवाओं को पीछे छोड़ दिया। जीएलपी-1 सेगमेंट की कुल बिक्री करीब 2.1 अरब रुपये तक पहुंच गई और पूरे बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी।थैरपी के हिसाब से कैंसर की दवाओं ने सबसे तेज रफ्तार दिखाई और करीब 28 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। दिल से जुड़ी दवाएं 15 प्रतिशत और डायबिटीज की दवाएं 14 प्रतिशत बढ़ीं। दूसरी तरफ, सांस और इंफेक्शन से जुड़ी दवाएं कमजोर रहीं और इनकी ग्रोथ काफी सीमित रही। यह साफ संकेत है कि भारत में अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।टॉप 20 फार्मा कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। डॉ. रेड्डीज ने सबसे तेज दौड़ लगाई और करीब 18 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। सन फार्मा भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में रही। ल्यूपिन, अजंता, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड और टोरेंट जैसी कंपनियां भी बाजार से तेज बढ़ती दिखीं। हालांकि एलेम्बिक का प्रदर्शन कमजोर रहा और उसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

महंगाई फिलहाल काबू में, 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है

-रिपोट मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, अब दबाव बनना शुरू

नई दिल्ली,।

ईरान युद्ध के चलते देश में महंगाई फिलहाल काबू में नजर आ रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो अभी आरामदायक स्तर पर है, लेकिन धीरे-धीरे दबाव बनना शुरू हो गया है। मार्च में गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, खासकर एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ। इसके बावजूद इसका असर आम लोगों तक नहीं पहुंचा, जिससे महंगाई ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन यह राहत कितने समय तक रहेगी, यह बड़ा सवाल है।रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन महंगाई तेजी से बढ़कर 1.7 फीसदी हो गई, जो फरवरी में करीब ना के बराबर थी। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा। वहीं, खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़कर 3.7 फीसदी तक पहुंच गई, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ सकता है। खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की कीमतों में थोड़ी राहत जरूर दिखी और कोर महंगाई घटकर 3.3 फीसदी हो गई। सोने और चांदी की कीमतों में नरमी इसका कारण रही, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, इस पर सबकी नजर है।एक निजी बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है यानी अभी जो स्थिति शांत दिख रही है, वह आगे चलकर गर्म हो सकती है। खासकर अगर तेल की कीमतें बढ़ती रहीं, तो असर और तेज हो सकता है। रिपोर्ट में एक और बड़ा खतरा सामने आया है। मौसम विभाग ने इस बार मानसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ, तो फसल पर असर पड़ेगा और खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल रिजर्व बैंक के रुख में बदलाव की उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर ही बनी रह सकती है यानी अभी केंद्रीय बैंक स्थिति को देखना चाहता है, बिना जल्दबाजी में कोई फैसला लिए। महंगाई के आंकड़ों का बॉन्ड बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 6.94 फीसदी के आसपास बनी रही, जो यह दिखाता है कि बाजार ने फिलहाल इन आंकड़ों को स्थिर माना है।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पल-पल बदल रहा तेल बाजार....कभी 100 के पार, अब 90 डालर के करीब

नई दिल्ली,।

दुनिया के तेल बाजार में फिर बड़ा उतार-चढ़ाव दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले जो कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच गया था, अब फिसलकर 90 डॉलर के करीब पहुंच गया है। बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार का मूड अचानक बदल गया है और माहौल में अनिश्चितता साफ महसूस हो रही है।तेल की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह इस बात की उम्मीद हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। खबरें हैं कि अगले दो दिनों में दोनों देश आमने-सामने आ सकते हैं। बस इसी संभावना ने बाजार की दिशा बदल दी। जहां पहले डर हावी था, अब वहां थोड़ी राहत की उम्मीद दिख रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, अब भी तनाव बरकरार है। यहां किसी भी तरह की रुकावट पूरी दुनिया की सप्लाई को हिला सकती है। इसकारण बाजार हर छोटी खबर पर तेजी से प्रतिक्रिया दे रहा है।इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी आईईए ने एक और चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी का कहना है कि इस साल वैश्विक तेल की मांग घट सकती है। अगर ऐसा हुआ, तब यह 2020 के बाद पहली बार होगा। ऊंची कीमतों ने खपत को दबा दिया है और अब इसका असर साफ दिख रहा है। उधर अमेरिका से आई खबर ने भी बाजार को झटका दिया। कच्चे तेल का भंडार 6.1 मिलियन बैरल बढ़ गया है। यह लगातार आठवां हफ्ता है जब स्टॉक बढ़ा है। यानी बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि सप्लाई जरूरत से ज्यादा है। यही कारण है कि कीमतों पर दबाव बना हुआ है।वहीं कुछ दिन पहले बिल्कुल अलग तस्वीर सामने थी। सोमवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार निकल गई थीं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रही और तनाव अचानक बढ़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख दिखाकर होरमुज क्षेत्र में कार्रवाई की बात कही। बस फिर क्या था, बाजार में डर की लहर दौड़ गई और कीमतें तेजी से उछल गईं। हाल के महीनों में तेल की कीमतों ने कई बार चौंकाया है। मार्च में ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि यह अभी भी 2008 के 147 डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है, लेकिन बाजार की तेजी और गिरावट दोनों ही यह दिखा रही हैं कि हालात कितने अस्थिर हैं।

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक नहीं पड़ेगी फीकी, गिरावट से बढ़ी खरीदारी

ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली,।

अक्षय तृतीया पर भी बाजार में सोने की चमक फीकी पड़ती नहीं दिख रही। त्योहार से पहले ही सोने के गहनों और सिक्कों की मांग बढ़ रही है। ज्वेलरी कारोबारियों के मुताबिक ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान सोने की कीमतों में तेज हैं, लेकिन हाल में आई थोड़ी गिरावट ने ग्राहकों की खरीदारी को फिर से बढ़ावा दिया है।बाजार के जानकारों का कहना है कि इस अक्षय तृतीया पर बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बढ़त देखने को मिल सकती है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के बीच दो तरह का ट्रेंड साफ दिख रहा है। एक तरफ बड़ी संख्या में लोग हल्के और किफायती गहनों की खरीद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाई स्पेंडिंग वाले ग्राहक महंगे और प्रीमियम ज्वेलरी जैसे सोलिटेयर सेट में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा इस बार त्योहार रविवार को पड़ रहा है, जिससे वीकेंड का फायदा भी बाजार को मिल सकता है और बिक्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स के एमडी के मुताबिक इस बार अक्षय तृतीया रविवार और सोमवार को पड़ रही है, जिससे खरीदारी का समय भी ज्यादा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले से ही बड़ी संख्या में प्री-बुकिंग हो चुकी है और शोरूम में रोजाना ग्राहकों की पूछताछ बढ़ रही है। खासतौर पर ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कंपनी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी भी की है, जिसका फायदा सोने के सिक्कों की बिक्री में दिख रहा है। शगुन के लिए गोल्ड कॉइन हमेशा पसंद किए जाते हैं और अब स्विगी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग आखिरी समय में भी आसानी से खरीदारी कर पा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर मॉल्स और रिटेल बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स के ऑपरेशंस हेड ने बताया कि अक्षय तृतीया पर हर साल ज्वेलरी की डिमांड बढ़ती है और इस बार भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सोने की कीमतें ऊंची होने के बावजूद लोगों की खरीदारी की इच्छा कमजोर नहीं पड़ी है। ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मॉल्स में खास ज्वेलरी जोन भी तैयार किए गए हैं। अब यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। शादी के सीजन के लिए भी ग्राहकों की दिलचस्पी अभी से दिखने लगी है। खास बात यह है कि पुरुषों की ज्वेलरी की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर कंपनी को पिछले साल की तुलना में इस समय 15 से 20 फीसदी तक की ग्रोथ दिख रही है। डिमांड को और बढ़ाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दे रही हैं। फेस्टिव ऑफर के तहत मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट और डायमंड की कीमत पर अतिरिक्त 15 फीसदी की फ्लैट छूट दी है। वहीं कल्याण ज्वेलर्स भी मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट दे रही है।इसी तरह इंडिरिया के सीईओ ने बताया कि 'बड़ा शगुन, बड़े ऑफर्स' अभियान के तहत ग्राहकों को मेकिंग चार्ज और डायमंड वैल्यू पर 35 फीसदी तक का फायदा मिल रहा है।

साथ ही डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम में ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर बुकिंग के समय और खरीद के समय के बीच कम कीमत वाले गोल्ड रेट का फायदा उठा सकते हैं।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली,।

भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है। जंग के शुरु होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। मोदी सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें।खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चलता है। मार्च में आए आंकड़े अद्यतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तीसरे आंकड़े हैं। अगर एनएसओ द्वारा जारी पिछली श्रृंखला के आंकड़ों से तुलना की जाए तो महंगाई दर 13 महीने के उच्च स्तर पर है। इलके पहले मार्च 2025 में महंगाई दर इससे अधिक 3.56 प्रतिशत पर थी।

देश में गर्मी बढ़ी पर बिजली की मांग नहीं? खपत में सुस्ती, कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में

-मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है

नई दिल्ली,।

देश में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली की मांग उसी रफ्तार से नहीं बढ़ रही। एक ताजा रिपोर्ट ने पावर सेक्टर की एक चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है, जहां खपत में सुस्ती है और कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बिजली की मांग में केवल 1.9 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि मार्च 2026 में यह बढ़त सिर्फ 0.7 फीसदी रही। पूरे साल में मांग करीब स्थिर रही और इसमें सिर्फ 0.8 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक चले मानसून और गर्मी की धीमी शुरुआत ने मांग को प्रभावित किया। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियों में कमजोरी भी एक बड़ा कारण रही। हालांकि अधिकतम बिजली मांग बढ़कर करीब 245 गीगावॉट तक पहुंच गई, लेकिन बिजली संयंत्रों का उपयोग कम रहा। मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है। एनटीपीसी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। एनटीपीसी का पीएलएफ घटकर करीब 76.7 फीसदी रह गया, जबकि टाटा पावर का करीब 63 फीसदी रहा। इसके चलते कंपनियों के मुनाफे में सीमित बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईईएक्स पर बिजली का कारोबार मार्च 2026 में 23.5 फीसदी बढ़ा। सौर ऊर्जा के समय कीमतें घटकर करीब 3.3 रुपए प्रति यूनिट रहीं, जबकि अन्य समय में यह बढ़कर करीब 5.3 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच गईं। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा में तेजी जारी है और करीब 368 गीगावॉट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट में इस सेक्टर में निवेश के लिए सीईएससी और एनटीपीसी को अपने टॉप पिक्स बताया है। कंपनी का मानना है कि इन कंपनियों का प्रदर्शन बाकी के मुकाबले बेहतर रह सकता है।

मिल गया 565 करोड़ रुपये का आर्डर.. तूफान की तरह दौड़ पड़ा सरकारी कंपनी का शेयर

मुंबई,।

रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह शेयर में जुलाई 2024 के बाद की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि रेल विकास निगम (आरवीएनएल) से 565 करोड़ रुपये के दो लेटर ऑफ अवॉर्ड मिले हैं। यह ऑर्डर रेलवे सुरंगों में व्यापक और एकीकृत संचार सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (एसआईटीसी) से जुड़ा है। इसके अलावा, कंपनी को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोमोशन बोर्ड से 44 करोड़ रुपये का एक और वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भर्ती परीक्षाओं के लिए सुरक्षा से जुड़ी सहायक सेवाओं से संबंधित है। इस बीच, रेलटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति से आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की खरीद और रखरखाव के लिए 17.12 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियम, 2015 के तहत दी गई जानकारी के अनुसार, अपरिहार्य प्रशासनिक कारणों के चलते ग्राहक ने इस वर्क ऑर्डर को रद्द कर दिया है।ये खबर आते ही रेलटेल के शेयरों में बुधवार को भारी वॉल्यूम के साथ कारोबार हुआ। ट्रेडिंग के पहले 60 मिनट में ही 1.5 करोड़ से ज्यादा शेयरों में सौदे हुए, जो 20 दिन के औसत 4.2 लाख शेयरों से काफी ज्यादा

है। दोपहर 12ञ्22 बजे रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर बीएसई पर 13.94 फीसदी चढ़कर 324.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुके है। हालांकि 2026 में अब तक इसमें करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। तीन महीने में शेयर में 8 फीसदी और छह महीने में 13.13 फीसदी की गिरावट आई है। एक साल में स्टॉक ने 5.53 फीसदी का रिटर्न दिया है।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

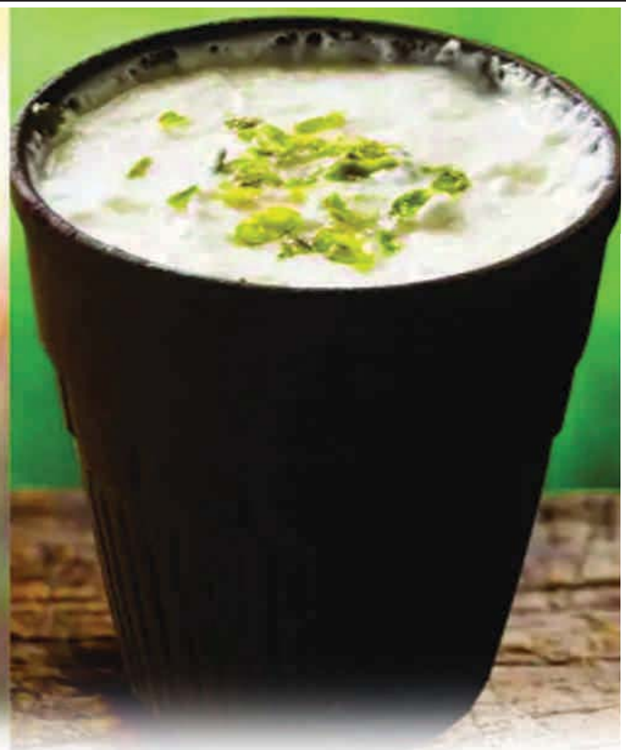

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

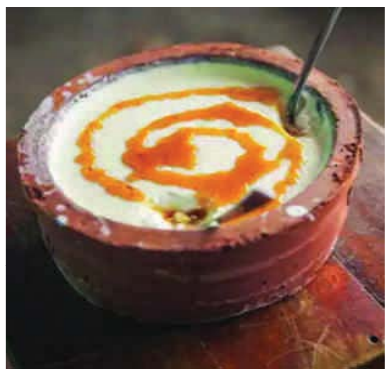

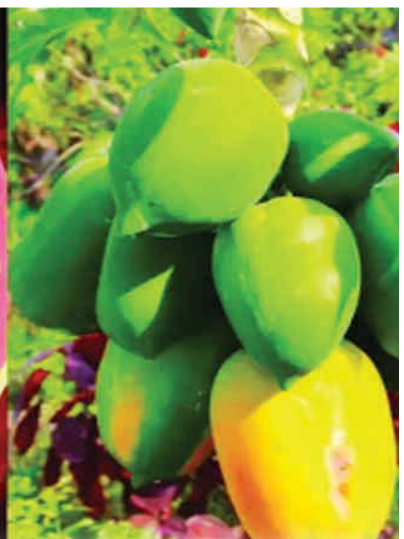

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइर्टिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स की टीम का मुकाबला आजिंक्य रहाणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनो के बीच पांच मुकाबे हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा।

वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इसी कारण उसे एक अंक मिला है। ऐसे में कप्तान रहाणे का प्रयास किसी प्रकार टीम को जीत दिलाना रहेगा। केकेआर की टीम का प्रयास गुजरात के खिलाफ मैच जीतकर लय हासिल करना रहेगा। । केकेआर की टीम को इसके लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा। हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर है जिसके देखते हुए किसी अच्छे गेंदबाज को शामिल करना होगा। इसके अलावा उसके फार्म से बाहर चल रहे स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसे लगातार असफल हो रहे कैमरुन ग्रीन की जगह पर टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर विचार करना होगा। उसके कप्तान को भी ठीक फैसले लेने होंगे। पिछले मैचों में उसके कप्तान के टॉस जीतने के बाद कई गलत फैसलों से भी टीम को नुकसान हुआ है। टीम की

गेंदबाजी कितनी लचर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों से हार गयी जबकि लक्ष्य 200 से भी कम था।

टीम के बल्लेबाजी क्रम में कमी नजर आती है। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। यह दोनों ही बदलाव गलत साबित हुए थे। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को अभी तक अवसर नहीं मिला है। ऐसे में केकेआर के लिए जीत दर्ज करन काफी कठिन है। उसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स = अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

बार्सिलोना ओपन से हटे अल्कराज, फ्रेंच ओपन में भी खेलना संदिग्ध

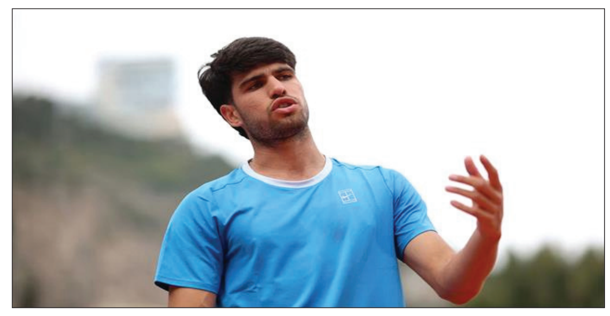

बार्सिलोना (एजेंसी)। स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण बार्सिलोना ओपन टेनिस से अपना नाम वापस ले लिया है। अल्कराज यहां दूसरे दौर में पहुंच गये थे ऐसे में उनके बाहर होने से प्रशंसकों को झटका लगा है। ऐसे में खिताब जीतने को अवसर उनके हाथ से निकल गया। इसके अलावा आगामी फ्रेंच ओपन टेनिस में उनका खेलने पर संशय हो गया है। अल्कराज ने क्वालिफायर ओटो विरटेनन के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसी मैच के दौरान रिटर्न करते समय उन्हें अपनी कलाई में दर्द लगा जिसके बढ़ने से उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा है। टॉमस मैसेके के खिलाफ दूसरे दौर के मैच से पहले हुई जांच मे उनकी चोट गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

इसी को लेकर अल्कराज ने कहा, मैच के दौरान रिटर्न करते समय लगा कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी और इस समय रिकवरी को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी मेडिकल टीम, जिसमें डॉक्टर्स और फिजियो शामिल हैं, के साथ उपचार शुरू करेंगे, ताकि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

इस चोट के कारण अल्कराज के हाथ से नंबर एक स्थान फिर से हासिल करने का मौका भी निकल गया। अगर वह यहां जीतते तो शीर्ष स्थान पर वापसी कर सकते थी। अब उनका लक्ष्य 18 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन के लिए पूरी तरह से फिट होना रहेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में, ब्रिटेन के कैमरून नॉरी ने ईथन क्विन को 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है।

टी20 प्रारूप में आप एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रासंगिक नहीं रह सकते : लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान करने वाली लुंगी एनगिडी की नीचे की ओर गिरती हुई धीमी गेंद (डिपिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को हैरानी है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही हैं। बृहस्पतिवार को चुनिंदा संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने अपनी हाल की सबसे असरदार गेंद के बारे में बात की। एक धीमी गेंद जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की ओर गिरने लगती है। यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था, 'यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है।' बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मैच मुमकिन नहीं, आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज होने की संभावना भविष्य में कभी भी मुमकिन नहीं होगी, इसकी वजह है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) पर राजनीतिक असर। उन्होंने कहा कि अगर बोर्ड ने 'राजनीतिक दांव-पेच न खेले होते और इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाया होता', तो शायद 'कुछ बात बन सकती थी'।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बात करते हुए मोदी ने इस विचार को खारिज कर दिया कि कोई न्यूट्रल जगह भी दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू कर सकती है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा वह है जिसे उन्होंने क्रिकेट पर बढ़ते राजनीतिक असर के तौर पर बताया। मोदी ने दोहराया कि हालात जल्द सुधरने की उम्मीद नहीं है, जिससे निकट भविष्य में द्विपक्षीय सीरीज की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'मुझे डर है कि निकट भविष्य में यह मुमकिन नहीं हो पाएगा, इसकी मुख्य वजह है पाकिस्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का राजनीतिकरण। और बदकिस्मती से, हालात ऐसे ही हैं।'

उन्होंने तर्क दिया कि क्रिकेट जगत में अब फैसले आजादी से नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे दोनों टीमों के बीच मैच करवाने की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैचों के दौरान बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैं ही वह इंसान था जो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में लेकर आया था, लेकिन 26/11 के मुंबई हमलों के बाद मुझे उन्हें हटाना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'दिक्कत यह है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आजाद होता और आजादी से काम करता, अगर उस पर राजनीति का असर न होता, तो शायद कुछ बात बन सकती थी। लेकिन आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सत्ता में बैठे लोगों का इतना ज़्यादा राजनीतिक असर है कि वे ही सारे फैसले ले रहे हैं और इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। हमारे बीच उस स्तर पर यानी राजनीतिक स्तर पर तनाव है और वह तनाव खत्म होने वाला नहीं है। यह तो और भी बदतर होता जाएगा। इसलिए मुझे खिलाड़ियों की सुरक्षा की चिंता है।'

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 सीजन के बाद से नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया था। जनवरी 2013 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की वजह से द्विपक्षीय सीरीज बंद हो गई। तब से दोनों देशों ने अपने मुकाबले सिर्फ ICC वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे कई देशों वाले टूर्नामेंट तक ही सीमित रखे हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों के अलावा मोदी ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने के बांग्लादेश के फैसले पर भी अपनी राय दी। बांग्लादेश ने भारत आने-जाने से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया था। उन्होंने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह बेवजह था।

ऑस्ट्रेलिया में हो सकता है आईपीएल का अगला सत्र

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है । इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं । अब अगले सत्र में आईपीएल के ऑस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं । यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है । एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है । इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है । यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है। वहीं आईपीएल के बदले में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है। इससे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत होने की संभावना है । एडिलेड को इस संभावित आयोजन के लिए कई कारणों से उपयुक्त माना जा रहा है । मार्च का महीना ऑस्ट्रेलिया में अनुकूल मौसम प्रदान करता है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कैलेंडर में एक खाली समय होता है, और यह सुनिश्चित करता है कि प्रशंसकों की भागीदारी सबसे अधिक हो। अब देखना है कि बीसीसीआई इस मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है ।

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

मुम्बई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं । धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है । एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं । धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है । धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं । धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है । टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली । शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है । हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके । अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके । धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है । इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं । धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है । उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है ।

सीएसके जीत के बाद भी कप्तान रुतुराज के फार्म को लेकर चिंतित

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शुरुआती मैचों में हार के बाद लगातार दो मैच जीतकर जीत की राह पर लौटी है। सीएसके की जीत के बाद भी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन से उसपर दबाव बना हुआ है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट बेहद खराब रहा है। इस मैच में भी वे तेजी से रन बनाने की कोशिश में 7 रन (6 गेंद) बनाकर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के साथ बल्लेबाजी क्रम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा, गायकवाड़ ने एक आसान कैच भी गिरा दिया, हालांकि शुक्र है कि इससे सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

वहीं सीएसके से मिली हार के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का इस सत्र में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के साथ ही केकेआर अकेली ऐसी टीम बन गयी है जो अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है।

सीएसके के खिलाफ मैच में भी वह दबाव का सामना नहीं कर पायी और बिखर गयी। सीएसके टीम में अकील हुसैन और नूर अहमद के सामने केकेआर के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की सफलता में अकील की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि अकील ने नूर को सही लेंथ पर गेंद डालने की सलाह दी, जिसके बाद नूर लगभग अजेय हो गए थे। फिन एलन के लिए एक और निराशाजनक मैच रहा। उन्होंने सीजन की शुरुआत कुछ अच्छी पारियों के साथ की थी, लेकिन एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के तौर पर केकेआर उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। एलन पिछले तीन मैचों में प्रभाव डालने में विफल रहे हैं, और तीनों में वे दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। टीम की लगातार हार को देखते हुए केकेआर कब तक उन पर भरोसा कर पाएगी? उनके साथी टिम सीफर्ट बेंच पर इंतजार कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

क्रुणाल पांड्या ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड, अक्षर और जडेजा के क्लब में शामिल

-100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। क्रुणाल ने इस मैच में अब्दुल समद को आउट करते ही आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बने हैं, उनसे पहले ये खास उपलब्धि सिर्फ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ही हासिल कर पाए थे। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी वह किसी से पीछे नहीं है। आईपीएल में उनके नाम 1000 रन भी हैं। सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच में क्रुणाल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 38 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने एलएसजी की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल मार्श को आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। . समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में क्रुणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में क्रुणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। क्रुणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर है।. गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार टीम को जीत दिलायी है। आईपीएल में उन्होंने अबतक 119 पारियों में 1757 रन भी बनाए हैं। इसके कारण ही वह रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं जडेजा ने आईपीएल में चार टीमों के लिए 259 मैचों में 173 विकेट और 3336 रन बनाए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 166 आईपीएल मैचों में 1919 रन और 131 विकेट लिए हैं। वहीं इनके अलावा तीन विदेशी खिलाड़ियों सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और ड्वेन ब्रावो ने भी आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लिए हैं।

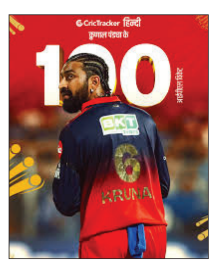

70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा

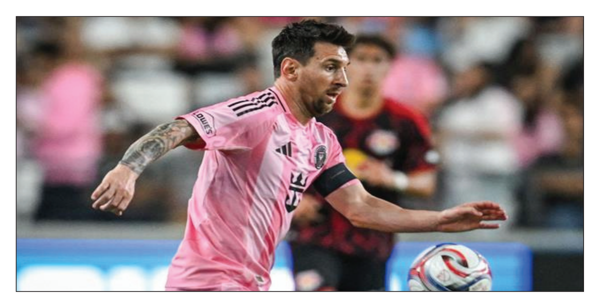

मियामी । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है । अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था । मेस्सी और AFA ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया । मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है । वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं । मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए, स्व्र के साथ एक समझौता किया था । विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों । मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे ।

बांग्लादेशी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

-आईपीएल 2026 के बीच खेल प्रेमियों के लिए आई भावुक कर देने वाली खबर

हैदराबाद । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांच के बीच क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है । बांग्लादेश के दिग्गज तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है । 36 वर्षीय इस गेंदबाज का करियर एक दशक से भी अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने अपनी तेज रफ्तार गेंदों से दुनिया के कई बड़े बल्लेबाजों को परेशान किया । रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसके बाद से वे राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह देख रहे थे । रुबेल हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए अपने फैसले की जानकारी फैंस के साथ साझा की । उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि वे युवाओं के लिए रास्ता छोड़ें और अंतरराष्ट्रीय मंच को अलविदा कहें । हालांकि, रुबेल ने यह भी स्पष्ट किया कि वे क्रिकेट के मैदान को पूरी तरह नहीं छोड़ रहे हैं । वे घरेलू क्रिकेट और बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) जैसे टूर्नामेंटों में खेलना जारी रखेंगे और अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे । रुबेल का अंतरराष्ट्रीय करियर आंकड़ों के लिहाज से काफी प्रभावशाली रहा है । उन्होंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट मैचों में 36 विकेट, 104 वनडे मैचों में 129 विकेट और 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किए । वे उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों में बांग्लादेश की जीत में अहम भूमिका निभाई । रुबेल ने अपने संदेश में परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे नई भूमिकाओं में क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और खेल की सेवा करते रहेंगे ।

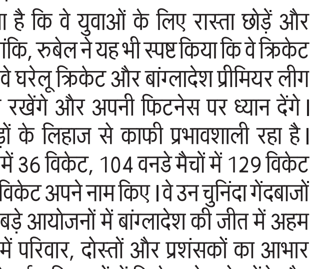

गेंदबाज पंत को आउट नहीं कर रहे, अधिकतर वह खुद आउट हो रहा है:नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऋषभ पंत अपनी विकेट खुद ही गंवा रहे हैं जबकि वह इसके लिए गेंदबाजों को मेहनत नहीं करवा रहे और और इसी वजह से मौजूदा आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

मौजूदा सत्र में पंत का प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है जिसमें कई बार उन्होंने बहुत कम स्कोर बनाए हैं। उन्होंने एकमात्र अच्छी पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 68 रन की खेली। सुपर जाइंट्स की टीम इस समय अंक तालिका में सातवें स्थान पर है जिसकी मुख्य वजह उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है।

पंत और सुपरजाइंट्स के बारे में बात करते हुए सिद्धू ने कहा, 'उन्हें अपनी कमियों पर काफी गहराई से सोचने की जरूरत है। उनकी समस्याएं बनी हुई हैं, विशेषकर इसलिए क्योंकि उनका शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। वे अपने शुरुआती तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं मिला है। जब आप (एडेन) मारक्रम, (निकोलस) पूरन, (मिचेल) मार्श और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को देखते हैं तो उनमें जबरदस्त क्षमता नजर आती है लेकिन उनके बीच साझेदारियों की कमी है।'

सिद्धू ने कहा, 'शीर्ष क्रम में 50 रन की साझेदारी भी बहुत कम देखने को मिली है। मुझे नहीं लगता कि गेंदबाज ऋषभ को आउट कर रहे हैं बल्कि अधिकतर वह खुद ही आउट हो रहे हैं। उनमें प्रतिभा और क्षमता दोनों हैं और अगर वह खुद को थोड़ा समय दें तो वह अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। फिलहाल उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही संघर्ष करती नजर आ रही हैं।'

बुधवार को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार के दौरान पंत सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए थे। पंत लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पांच मैच में सिर्फ 104 रन बना पाए हैं। उनका औसत 26.00 और स्ट्राइक रेट 122.35 का है। सिद्धू रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार विराट कोहली की रनों की भूख से काफी प्रभावित हुए जबकि वह लगभग दो दशकों से शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'विराट कोहली अगर अपनी 20 प्रतिशत क्षमता से भी खेले तो भी वह अधिकतर खिलाड़ियों के शत प्रतिशत प्रदर्शन से बेहतर होते हैं। उनका प्रभाव और दबदबा ही कुछ ऐसा है। शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद उन्होंने जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली।' सिद्धू ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने मोहम्मद शमी पर दबदबा बनाया वह देखने लायक था। वह अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए कवर के ऊपर से शॉट लगा रहे थे और बहुत ही सहजता से पुल और कट शॉट खेल रहे थे।'

नरम एहसास और प्यार से सजी है साई पल्लवी-जुनैद खान स्टारर 'एक दिन' की कहानी, ट्रेलर हुआ रिलीज़ !

'एक दिन' का ट्रेलर आउट- साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी ने जगाई प्यार की उम्मीद !

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म 'एक दिन', जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है। 'एक दिन' का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते।
हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह 'ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया' (TGA) की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहाँ यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है।
ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतज़ार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। 'एक दिन' के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। 'एक दिन' के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

90 के दशक में मैगजीन मुझे और जेबा बख्तियार को एक-दूसरे के खिलाफ बताते थे प्रतिद्वंद्वी

आज के दौर में जहां सोशल मीडिया के जरिए फैंस सीधे अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ जाते हैं, वहीं एक समय ऐसा भी था जब फिल्मी दुनिया की खबरें सिर्फ मैगजीन और अखबारों के जरिए ही लोगों तक पहुंचती थीं। उस दौर में जो छपता था, वही सच माना जाता था। 90 के दशक का बॉलीवुड इसी तरह के किस्सों से भरा हुआ है, जब सितारों के बीच की दोस्ती और रिश्तों को अक्सर अलग रंग देकर पेश किया जाता था। अब उसी दौर को याद करते हुए अभिनेत्री सोमी अली ने एक पुराना किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें और जेबा बख्तियार को लेकर मैगजीन ने गलत छवि बनाई थी।
सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक पोस्ट शेयर करते हुए 90 के दशक की मीडिया कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''उस समय सोशल मीडिया जैसी कोई चीज नहीं थी, जिससे लोग सेलिब्रिटीज की असली जिंदगी को समझ सकें। इस वजह से मैगजीन और टैब्लॉइड्स को खुली छूट मिल जाती थी और वे अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे। उस दौर में दर्शकों के पास कोई दूसरा जरिया नहीं होता था, जिससे वे सच्चाई जान सकें।''
अपनी पोस्ट में सोमी अली ने साल 1993 की एक खास मुलाकात का जिक्र किया, जब उनकी पहली बार जेबा बख्तियार से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया, ''हम दोनों ही पाकिस्तान में जन्मी थीं लेकिन मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। इस समानता को आधार बनाकर उस समय की मैगजीन ने हम दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा और टकराव की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी।'' उन्होंने कहा, 'मैगजीन की यह कोशिश कभी सफल नहीं हो पाई। असल जिंदगी में मेरे और जेबा बख्तियार के बीच कोई राइवलरी नहीं थी बल्कि हमारे बीच सम्मान और समझ का रिश्ता था। मैं आज भी उस पहली मुलाकात को अच्छे अनुभव के तौर पर याद करती हूं और मेरे मन में जेबा के लिए काफी इज्जत है।'
सोमी अली ने जेबा बख्तियार की तारीफ करते हुए कहा, ''वह बेहद खूबसूरत और अच्छी इंसान हैं। वह हमेशा खुश रहें और उन्हें जिंदगी में हर खुशी मिले।''
अगर जेबा बख्तियार की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'हिना' से पहचान हासिल की थी। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर और अश्विनी भावे नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन रणदीर कपूर ने किया था। भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि पर बनी इस प्रेम कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।
उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'
उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें

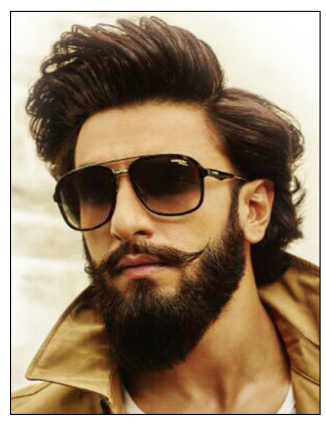

गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही हैं।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' परिवारों को वापस सिनेमाघरों में लेकर आएगी

बॉलीवुड एक्टर अविनाश तिवारी और मेधा शंकर अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में शादी के माहौल में खूब धूम मचाने वाले हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया, जिसमें रिश्तों से जुड़े भावनात्मक विषयों के साथ एक उतार-चढ़ाव भरी प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म दर्शकों को पारिवारिक माहौल में ले जाएगी, जहां परिवार, शादी, गलतफहमियों, हंसी-मजाक और चौंकाने वाले ट्विस्ट दर्शकों को हैरान कर देंगे।

वरुण धवन के साथ शेयर करेंगे स्क्रीन राकेश बेदी

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है।

धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, 'फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।'
फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।'
अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, 'मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं।'
कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।
अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

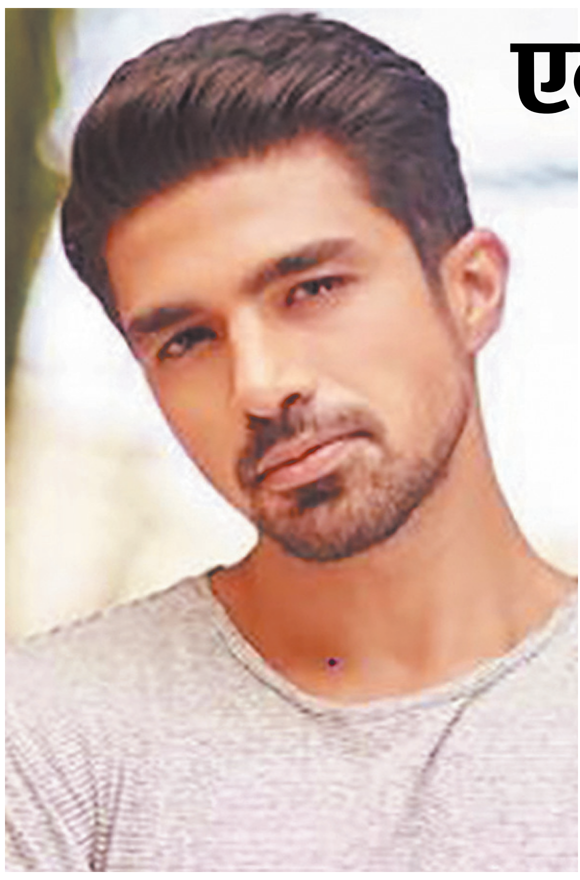

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, उतना ही मुश्किल भी होता है?

वेब सीरीज 'कप्तान' में अभिनेता साकिब सलीम एक बार फिर उसी देसी, रॉ और दबंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसे ऑडियंस पहले भी पसंद कर चुकी हैं। इस सीरीज में उनके साथ सिद्धार्थ निगम और अंजुम शर्मा भी हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान साकिब ने अपने किरदार, शो के एक्शन, सिद्धार्थ निगम के साथ सेट पर हुई मस्ती, प्रोड्यूसर के तौर पर आने वाली मुश्किलों और अपने करियर की भूख पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

'कप्तान' करते हुए लगा कि चलो फिर से अपने टाइप का रोल मिला?

हां, बिल्कुल... काफी लंबे समय बाद मुझे फिर ऐसा किरदार मिला। 'रंगबाज' के बाद मुझे बहुत प्यार मिला था। उसके बाद लोगों के लगातार मैसेज आते थे कि सर, वैसा कुछ और करिए, कुछ हार्टलैंड वाला काम करिए। मैं भी जिससे मिलता था, पूछता था कि यार, कुछ है क्या ऐसा? इस शो में मुझे एकदम रॉ, करप्ट और हार्टलैंड की कहानी मिली। ऐसा किरदार मिला जिसमें भरपूर स्वैग था। मुझे इसमें बहुत मजा आया। धीरे धीरे चलने में, एक्शन करने में। हम लड़कों को एक्शन करने में बहुत मजा आता है। इस शो में तो भर भरकर एक्शन है। एक पूरे एपिसोड में तो सिद्धार्थ बस बैकफ्लिप ही मार रहा था। मैं और अंजुम एक दिन सेट पर बैठे थे। उसका एक्शन सीन चल रहा था। वह बार बार बैकफ्लिप मार रहा था, दीवार पर चढ़ रहा था, कूद रहा था। मैं और अंजुम एक दूसरे की तरफ देखकर यही सोच रहे थे कि हमसे ये सब नहीं हो पाएगा, हम तो बस गोली चलाएंगे।

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, क्या उतना ही मुश्किल भी होता है?

बिलकुल। देखने में तो बड़ा मजा आता है, लेकिन करने में पसीना छूट जाता है। चोट भी लगती है, ये तो तय है। मुझे भी लगी थी, सिद्धार्थ को भी। लेकिन बात ये है कि सिद्धार्थ को देखकर लगता था, अगर कोई शेर के पिंजरे में घुस जाएगा, तो लगेगी ही न। एक होता है नॉर्मल एक्शन, जो हम लोग करते हैं। बंदूक चलाई, मुक्केबाजी की। लेकिन जो वह कर रहा था, वह अलग ही स्तर का था। यहां से कूदना, वहां से छलांग लगाना, ये सब हम नहीं करने वाले। हमारा एक्शन थोड़ा जमीन पर रहता है। गाड़ी से कूद जाओ, थोड़ा भाग लो, लड़ लो, वह ठीक है।

सेट पर सिद्धार्थ निगम की सबसे ज्यादा खिंचाई किस बात पर हुई?

एक दिन शूट के दौरान बड़ा मजेदार किस्सा हुआ। सिद्धार्थ की शर्ट में ऐसे बटन लगे थे जो हल्के से खिंचने पर खुल जाते थे। उसने दीवार से बैकफ्लिप मारी। और जैसे ही नीचे उतरा, उसकी शर्ट खुल गई। बस फिर क्या था, हमने वहीं मजाक शुरू कर दिया। मैंने कहा, ये बटन ऐसे थे ही क्यों? नॉर्मल बटन नहीं लगा सकते थे क्या? फिर उसे छेड़ने लगे कि तुमने पहले से सोच रखा था क्या कि एक बैकफ्लिप मारूंगा, बटन खुलेंगे और बॉडी दिखाऊंगा। काम जितना होता था, मजाक भी उतना ही चलता था।

अब आप अभिनेता के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आज के समय में प्रोड्यूसर होना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका में एक यूट्यूबर ने फिल्म बनाई। उसने अपनी पूरी कम्युनिटी बनाई। लोगों को फिल्म बनने का पूरा सफर दिखाया। फिर उनसे कहा कि अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं, तो डिस्ट्रीब्यूटर्स को लिखिए। लाखों लोगों ने ऐसा किया। फिल्म ने बहुत अच्छा कारोबार किया। ये उदाहरण मुझे प्रेरित करता है।

आज इंडस्ट्री में सबसे बड़ी उलझन क्या लगती है?

बहुत सारी चुनौतियां हैं। प्लेटफॉर्म की अपनी चुनौतियां हैं। अब थिएटर और ओटीटी के बीच बड़ी लड़ाई चल रही है। जब मैं आया था, तब मुझे सिर्फ थिएटर वाली फिल्में करनी थीं। अब बहुत कुछ बदल गया है। पहले एक ही रास्ता था। फिल्म बनाओ और थिएटर में रिलीज करो। अब इतने विकल्प आ गए हैं कि स्पष्टता थोड़ी कम हो गई है। कई बार लगता है कि आप प्रोड्यूसर कम और लाइन प्रोड्यूसर ज्यादा बन जाते हैं। क्योंकि कई बार चीजें इस तरह बनने लगती हैं कि चलो, ये बन रहा है तो बना लेते हैं। जबकि फिल्म इसलिए बननी चाहिए क्योंकि आप उसे बनाना चाहते हैं। मेरे हिसाब से वही असली बात है।

संक्षिप्त समाचार

हैती में भारी बारिश से तबाही, 12 लोगों की मौत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में लगातार हो रही भारी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश के कारण 900 से ज्यादा घरों में पानी भर गया और एक अस्पताल भी डूब गया। कई सड़कों और एक पुल के टूट जाने से राहत कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रभावित इलाकों में खाने-पीने की चीजों की भारी कमी हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई जगह स्कूल और व्यापारिक गतिविधियां बंद करनी पड़ी हैं। पहले से ही खाद्य संकट झेल रहे देश के लिए यह आपदा और बड़ी चुनौती बन गई है।

अमेरिका में एशियाई उपनाम तेजी से बढ़े

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस सेंसस ब्यूरो की नई रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एशियाई उपनाम सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि, स्मिथ, जॉनसन, विलियम्स जैसे पारंपरिक नाम अब भी सबसे ज्यादा प्रचलित हैं, लेकिन झांग, लियू और वांग जैसे एशियाई उपनामों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशियाई समुदाय अब अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 7 प्रतिशत हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नामों का चुनाव संस्कृति और समाज से प्रभावित होता है। समय के साथ नए नामों का चलन बढ़ रहा है, जबकि पुराने नाम भी अपनी जगह बनाए हुए हैं।

नेपाल में नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया,प्रधानमंत्री ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मंगलवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बैसाख 1, जिसे बैसाख संक्रांति भी कहा जाता है, विक्रम संवत (बीएस) कैलेंडर के वर्ष परिवर्तन का प्रतीक है, जो सौर गति पर आधारित सबसे प्राचीन कैलेंडरों में से एक है। इस अवसर पर लोग मंदिरों में दर्शन करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रैपर से राजनेता बने बालेन्द्र ने कहा, ''नव वर्ष 2083 के शुभारंभ के अवसर पर मैं सभी को सुख, शांति और समृद्धि की शुभकामनाएं देता हूं।'' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने नव वर्ष संदेश में देश के लोगों से साझा राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। 'हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से नव वर्ष का उपयोग सकारात्मक सोच,अनुशासन और भाईचारे को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में करने का आग्रह किया।

तुर्किये : हाई स्कूल में गोलीबारी 16 घायल

अंकारा, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने गोलीबारी की, जिसमें 16 लोग घायल हो गए। शॉटगन से लैस 18 वर्षीय हमलावर ने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित व्यावसायिक हाई स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग की और फिर इमारत में छिप गया। बाद में उसने उसी शॉटगन से खुद को भी मार डाला।

घूसखोरी में चीनी रक्षा उद्योग के दिग्गज को 13 साल की जेल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के रक्षा और ऑटो उद्योग के दिग्गज लियू वेइडोंग को रिश्वतखोरी के आरोप में 13 साल जेल की सजा सुनाई गई है। सरकारी शिन्हुआ के अनुसार, चाइना साउथ इंडस्ट्रीज ग्रुप के पूर्व उप महाप्रबंधक लियू ने 1999 से 2025 के बीच लगभग 41.4 मिलियन युआन (61 लाख डॉलर) की रिश्वत ली। अदालत ने पाया कि उन्होंने व्यावसायिक लाभ और पदोन्नति दिलाने के बदले कई लोगों और संगठनों से यह अवैध रकम ली थी। लियू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में हिंदू विवाह अधिनियम में किया संशोधन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने हिंदू विवाह अधिनियम 2017 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए बदलाव के तहत अब जिला स्तर पर हिंदू विवाह रजिस्ट्रार नियुक्त किए जा सकेंगे। सरकार के मुताबिक, संशोधन का मुख्य उद्देश्य विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाना है। इससे हिंदू समुदाय को अपनी शादियों का पंजीकरण कराने में काफी आसानी होगी।

अमेरिका के बिना होर्मुज मिशन की योजना बना रहा है यूरोप; इस्राइल-लेबनान के बीच बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय देश अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक योजना तैयार कर रहे हैं। यूरोपीय देश यह योजना होर्मुज स्ट्रेट से बिना अमेरिका के सीधे दखल के शिपिंग को सुरक्षित करने के लिए बना रहे हैं। ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नया रूप दिया है। बता दें, ट्रांस-अटलांटिक अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ के बीच एक रणनीतिक, सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक साझेदारी है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से विश्व व्यवस्था की आधारशिला माना जाता रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत लड़ाई समाप्त होने के बाद समुद्री मार्गों पर भरोसा बहाल करने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाया जाएगा। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस पहल में समुद्र में बिछी माइंस को हटाने के अभियान (माइन-क्लियरिंग ऑपरेशन) और नौसेना की तैनाती जैसे कदम शामिल होंगे। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और ईरान जैसे सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल देशों को इस गठबंधन से बाहर रखा जाएगा।

ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलवा नहीं : ईरान में स्थित विश्लेषक अबास असलानी ने कहा है कि ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि ईरान ने अपनी स्थिति पहले जैसी ही बनाए रखी है और उसने जो नए नियम बनाए हैं, वे अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक दबाव से पहले ही तैयार किए गए थे। असलानी के अनुसार, ईरान का मानना है कि युद्ध जैसी स्थिति में इन नए प्रोटोकॉल को लागू करना जरूरी है और यह उसके हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका लगातार दबाव डाल रहा है ताकि ईरान अपनी नीतियों में बदलाव करे, लेकिन अब तक ईरान की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि वह अपनी स्थिति बदलने वाला है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास दो पाकिस्तानी तेल टैंकरों ने अचानक बदला रास्ता : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे पाकिस्तानी झंडे वाले दो तेल टैंकरों ने अचानक 180 डिग्री घूमकर अपना रास्ता बदल लिया। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों टैंकर पहले पूर्व दिशा में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रविवार को उन्होंने दिशा बदलकर पश्चिम की तरफ वापस मुड़ गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पूरी तरह ईरान की सेना के नियंत्रण में है, और वहां से गुजरने के लिए जहाजों को ईरान से अनुमति और जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जो पर्शियन गल्फ को गल्फ ऑफ ओमान और अरब सागर से जोड़ता है, दुनिया के सबसे अहम तेल रास्तों में से एक है। यहां से दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल सप्लाई होता है। होर्मुज गतिरोध और अल नीनो से वैश्विक खाद्य संकट की आशंका संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने दुनिया को संभावित बड़े खाद्य संकट के प्रति आगाह किया है। उसने कहा, होर्मुज गतिरोध व जलवायु प्रभाव अल नीनो तथा बायोफ्यूल की ओर बढ़ता रुझान ऐसे हालात पैदा कर सकते हैं, जिसे परफेक्ट स्टॉर्म कहा जा रहा है। एफएओ ने चेताया, यह संकट कोविड-19 के बाद पैदा हालात से भी गंभीर होकर वैश्विक खाद्य आपूर्ति तथा कीमतों पर व्यापक असर डाल सकता है। होर्मुज से विश्व स्तर पर 20-45% अहम कृषि चीजें, उर्वरक गुजरते हैं। यदि यहां जारी गतिरोध जल्द खत्म नहीं हुआ तो उर्वरक और ऊर्जा की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिसका सीधा असर खेती और खाद्य उत्पादन पर पड़ेगा। एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, दुनिया इनपुट संकट की ओर है। यानी खेती संसाधन या तो महंगे हो रहे हैं अथवा उपलब्धता घट रही है। फसल उत्पादन और कीमतों पर आने वाला असर....एफएओ के अनुसार मार्च 2026 में खाद्य मूल्य सूचकांक अपेक्षाकृत स्थिर रहा क्योंकि अनाज समेत अधिकांश खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता थी। लेकिन अप्रैल में हालात बिगड़ने लगे हैं और मई में यह और स्पष्ट होगा, क्योंकि किसान अपनी बुवाई का फैसला उपलब्ध उर्वरकों और लागत के आधार पर करेंगे। यदि उन्हें पर्याप्त संसाधन नहीं मिले तो 2026 और 2027 में फसल उत्पादन घट सकता है, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की, कहा- हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी)' प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में। सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक 'स्वयं घोषित दुश्मन देश' है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

पाकिस्तान के एक अस्पताल में कई बार सिरिंज इस्तेमाल करने से 300 से ज्यादा बच्चे हुए एचआईवी पॉजिटिव

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक अस्पताल में सिरिंज के बार-बार उपयोग से 331 बच्चों में एचआईवी संक्रमण होने की सनसनीखेज खबर सामने आई है। एक तस्वीर में अस्पताल के स्टाफ द्वारा मल्टी-डोज वायल्स पर सिरिंज का पुनः उपयोग करने और बिना स्टेराइल दस्तानों के मरीजों को इंजेक्शन लगाने की घटना कैद हुई है। इसके बाद जांच में बच्चों की एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रैक्टिस से जुड़े हो सकते हैं। बीबीसी न्यूज़ की एक गुप्त जांच ने पाकिस्तान के टीएचक्यू अस्पताल टौन्सा में संक्रमण नियंत्रण की गंभीर विफलताओं को उजागर किया है, जहां स्टाफ को बच्चों पर सिरिंज का पुनः उपयोग करते हुए दिखाया गया है। फुटेज में स्वच्छता मानकों का भी गंभीर उल्लंघन किए जाने और एक ही उपकरण (सिरिंज) का कई मरीजों पर पुनः उपयोग दिखाया गया, जो असुरक्षित चिकित्सा प्रथाओं से जुड़े एचआईवी संक्रमण का कारण बन रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एचआईवी संक्रमण के चलते आठ वर्षीय एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इसकी रिपोर्ट कुछ दिनों पहले ही पॉजिटिव पाई गई थी। बच्चे की माँ ने बताया कि मौत से पहले उसके आखिरी दिनों में बच्चे को तेज बुखार और तेज दर्द की पीड़ा झेलनी पड़ रही थी। कुछ समय बाद उस बच्चे की बहन भी एचआईवी पॉजिटिव पाई गई। परिवार का मानना है कि दोनों बच्चे सरकारी अस्पताल में रूटीन इलाज के दौरान दिए गए दूषित इंजेक्शन से वायरस की चपेट में आए। यह प्रकोप सबसे पहले दिसंबर 2024 के अंत में स्थानीय चिकित्सक डॉ. गुल कैसरानी के ध्यान में आया, जब उन्होंने अपने क्लिनिक आने वाले बच्चों में एचआईवी मामलों में असामान्य वृद्धि देखी। बीबीसी की जांच में नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच टौन्सा में कम से कम 331 बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि हुई। सबूतों से पता चलता है कि इनमें से कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रथाओं से जुड़े हो सकते हैं। कई मामलों में एक ही वायल का इस्तेमाल अलग-अलग बच्चों के इलाज के लिए किया गया।

अंडमान सागर हादसा: शरणार्थियों को ले जा रहा जहाज पलटा, 250 लोगों के मरने की आशंका

ढाका, एजेंसी। अंडमान सागर में मंगलवार को रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत लगभग 250 लोगों को ले जा रहे एक जहाज के समुद्र में पलट जाने के बाद बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

संयुक्त राष्ट्र संघ हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर इस घटना पर 'गहरा दुख' जताया है. यह घटना ऐसे समय हुई जब यह इलाका बंगाली न्यू ईयर मना रहा है. खबर है कि दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से निकला यह जहाज मलेशिया जा रहा था, जब तेज हवाओं और बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह दुखद घटना लंबे समय तक विस्थापन और रोहिंग्या के लिए पक्के समाधानों की कमी के भयानक नतीजों को दिखाती है. रखाइन राज्य में जारी हिंसा ने जल्द ही सुरक्षित वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया है, जबकि मानवीय मदद में कमी, रिफ्यूजी कैंपों में रहने के मुश्किल हालात, और शिक्षा और रोज़ी-रोटी तक सीमित पहुंच रिफ्यूजी को सुरक्षा और मौके की तलाश में ऐसे खतरनाक समुद्री सफर करने पर मजबूर कर रही है. विदेश में बेहतर सैलरी का वादा और अक्सर स्मगलिंग नेटवर्क से फैलाई गई गलत जानकारी, लोगों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को बड़े रिस्क लेने पर मजबूर करती है. ये वजहें ऐसी स्थितियाँ बनाती हैं जिनमें स्मगलर और ट्रैफिकर कमज़ोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे जान को बड़ा खतरा हो सकता है. बयान में कहा गया, 'अंडमान सागर इन खतरनाक यात्राओं पर जाने वाले लोगों की जान लेता रहता है.' एजेंसियों ने आगे जोर दिया कि माना जा रहा है कि लापता यात्रियों में परिवार, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं, जो इस इलाके में बेघर समुदायों के सामने बढ़ते मानवीय संकट को दिखाता है. उन्होंने बताया कि इसमें शामिल बहुत ज़्यादा खतरों के बारे में बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद इस तरह के समुद्री क्रॉसिंग बहुत आम हो गए हैं. बयान में आगे कहा गया, 'हम अंततराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए जान बचाने वाली मदद और बांग्लादेशी होस्ट कम्युनिटी की मदद के लिए एकजुटता दिखाएं और फंडिंग बनाए रखें. जैसे ही बांग्लादेश अपना नया साल मना रहा है, यह दुखद घटना म्यांमार में विस्थापन के असली कारणों को दूर करने और ऐसे हालात बनाने की तुरंत जरूरत की याद दिलाती है, जिससे रोहिंग्या शरणार्थी अपनी मर्ज़ी से सुरक्षित और इज्जत के साथ घर लौट सकें.' इसमें आगे चेतावनी दी गई, 'सब मिलकर काम किए बिना, समुद्र में और खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए और भी जानें जाएंगी.' 2017 में म्यांमार में हिंसा के बाद बढ़े रोहिंग्या संकट के कारण बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है।

ईरान के साथ जंग के बीच चीन को भी संदेश! फिलीपींस के साथ बड़ा युद्धाभ्यास करेगा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। एशिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दिखाने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच इस साल एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस अभ्यास में दोनों देशों के 17,000 से ज्यादा सैनिक हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका इस सैन्य अभ्यास के जरिए इलाके का चौधरी बनने की कोशिश कर रहे चीन को भी संदेश देने की कोशिश कर रहा है। यह युद्धाभ्यास 20 अप्रैल से 8 मई तक चलेगा और इसे 'बालिकातन' नाम दिया गया है जिसका मतलब है 'कंधे से कंधा मिलाकर'। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अभ्यास सीधे तौर पर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच एक मजबूत संदेश है। इस दौरान जापान की सेना भी शामिल होगी और फिलीपींस के उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाके में एक जहाज को मिसाइल से डुबाने का अभ्यास करेगी। यह इलाका विवादित दक्षिण चीन सागर के करीब है, जहां चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री इलाके पर दावा करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में चीन और फिलीपींस के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है। बीते कुछ सालों में कई बार दोनों देशों के जहाज आमने-सामने आ चुके हैं। इस बार के अभ्यास में फ्रांस और कनाडा की सेनाएं भी शामिल होंगी, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि चीन के खिलाफ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ रहा है। अमेरिकी सेना के प्रवक्ता कर्नल रॉबर्ट बन्न ने कहा, 'हमारा संदेश साफ है, हम अपने सहयोगियों और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि अभ्यास में ड्रोन हमलों से निपटने की तैयारी भी शामिल होगी। हालांकि, चीन पहले भी इस तरह के सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है, खासकर तब जब उसमें अमेरिका शामिल होता है। चीन का कहना है कि ऐसे अभ्यास क्षेत्र में तनाव बढ़ाते हैं।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

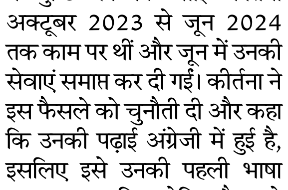

लंदन, एजेंसी। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीतना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स हॢस्ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकला : आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता। आमने-सामने की बातचीत से बचना चाहती थी कीर्तना कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। ट्रिब्यूनल ने क्या कहा आवेदन फॉर्म में साफ लिखा होता है कि 'क्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है?' इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, साई कीर्तना का कहना था कि उन्हें सच में लगता था कि उनकी शिक्षा और पेशेवर काम के संदर्भ में अंग्रेजी को उनकी पहली भाषा माना जा सकता है।

सुपर टाइफून सिनलाकू ने अमेरिका के दूरस्थ द्वीपों पर मचाई तबाही, 240 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से चली हवाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उमड़े सुपर टाइफून ने अमेरिका के दो दूरस्थ द्वीपों पर भयंकर तबाही मचाई है। तेज हवाओं और लगातार बारिश के चलते इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। तेज टाइफून के चलते टिन की छतें उड़ गईं और निवासियों को हवा में उड़ते पेड़ों की डालियों से बचने के लिए सुरक्षित ठिकानों पर आश्रय लेना पड़ा। सुपर टाइफून सिनलाकु ने बुधवार को सुबह होने से पहले कई घंटों तक उत्तरी मारियाना द्वीप समूह पर हमला किया। यह धीमा होकर भी टिनियन और सैपान द्वीपों पर ज्यादा नुकसान पहुंचाता रहा। इन द्वीपों पर लगभग 50,000 लोग रहते हैं।

कमजोर घरों और पेड़ों को उड़ा ले गया सुपर टाइफून : सैपान में पले-बढ़े ग्लेन हंटर ने कहा, 'मेरा अनुमान है कि जो भी लकड़ी और टिन से बना था, वह इस तूफान में नहीं बच पाया।' उन्होंने अपनी आंखों के सामने कम से कम तीन टिन की छतें अपने आंगन से उड़कर जाते देखीं। कई टाइफून झेल चुके हंटर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली टाइफून लग रहा था। उन्होंने कहा कि बारिश उनके कंक्रीट के घर की हर दरार से अंदर घुस रही थी। यह हार का खेल हो गया था क्योंकि बारिश हर तरफ से आ रही थी। हर घर पानी से भर गया है।

इस साल धरती का सबसे शक्तिशाली टाइफून : राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार यह इस साल पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली यह उष्णकटिबंधीय टाइफून था, जो द्वीपों पर टकराते समय 150 मील प्रति घंटा (240 किलोमीटर प्रति घंटा) तक की निरंतर हवाएं लेकर आया था। मौसम सेवा ने बताया कि ट्रॉपिकल फोर्स हवाओं और भारी बारिश के कारण दक्षिण में स्थित अमेरिकी क्षेत्र गुआम में भी अचानक बाढ़ आ गई। गुआम पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं और वहां लगभग 1,70,000 लोग रहते हैं। बुधवार तड़के मारियाना द्वीपों पर हवा की रफ्तार कुछ कम हुई, लेकिन हालात तुरंत नहीं सुधरे। सैपान के मेयर रामोन 'आरबी' जोस ब्लास कामाचो ने मंगलवार देर रात कहा, 'यह हम पर बहुत जोरदार हमला कर रहा है। इस भारी बारिश और तेज हवाओं में लोगों को बचाना हमारे लिए बेहद मुश्किल है। चारों तरफ चीजें उड़ रही हैं।' उन्होंने बताया कि पेड़ उखड़ गए और लकड़ी व टिन की संरचनाएं ढह गईं। वे अपने ऑफिस के शीशे के दरवाजे को चिंता से देख रहे थे।

मौसम वैज्ञानिक ने दी बड़ी चेतावनी : मौसम वैज्ञानिक लैंडन एडलेट ने कहा, 'टिनियन और सैपान के किसी भी व्यक्ति के लिए यह आसान रात नहीं होने वाली। यह बहुत शोर भरी रात होगी।' फेसबुक पर लाइव प्रसारण में उन्होंने कहा कि कई लोग 'सुबह उठकर एक अलग द्वीप देखेंगे। 'सैपान उत्तरी मारियाना द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप और उसकी राजधानी भी है। यह रिसॉर्ट्स, स्नॉर्कलिंग और गोल्फ के लिए प्रसिद्ध है। तूफान का सबसे बुरा असर रात के अंधेरे में पड़ा और बुधवार सुबह तक कई घंटों तक जारी रहने की उम्मीद थी। अगले कुछ दिनों में यह थोड़ा कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन सिनलाकु द्वीपों को पार करते समय कैटेगरी 4 टाइफून के रूप में था। 2023 में टाइफून मावर ने मारियाना द्वीप और गुआम में कई दिनों तक बिजली गुल कर दी थी, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने कर्मचारियों को अपने स्थान पर शरण लेने की चेतावनी दी है। गुआम पर अमेरिकी सेना लगभग एक-तिहाई जमीन नियंत्रित करती है और यह प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी बलों का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुआम स्थित मौसम सेवा स्टेशन से एडलेट ने बताया कि टाइफून उत्तरी मारियानास की ओर मुड़ने से पहले माइक्रोनीशिया के संघीय राज्य के चूक द्वीप समूह के बाहरी द्वीपों और एटॉल्स को काफी नुकसान पहुंचा चुका था। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को 'टाइफून एली' कहते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.